डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22

वर्ष : 08 अंक : 48 मूल्य: 5 रुपए पृष्ठ : 08

साप्ताहिक समाचार पत्र | दृष्टिकोण

हिलव्यू समाचार

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

जयपुर » मंगलवार, 07 जून, 2022

hillviewsamachar@gmail.com

आख़िर देश में कब लागू होगा पत्रकार सुरक्षा क़ानून?

शासन प्रशासन और जनता के बीच सेतु बनी पत्रकारिता कैसे और कब सुरक्षित होगी? हमलावारों के हौसलें दिन-ब-दिन बुलंद हो रहे हैं। सरकार को नींद से जागाने की बेहद आवश्यकता है।

हिलव्यू समाचार

अभी और कितने शहीद होने हैं पत्रकार कि अब तक देश में इस गंभीर विषय पर पिछले 10 वर्षों में या तो सिर्फ़ चर्चा हुई है या लम्बे-चौड़े भाषण ही हुए हैं। पत्रकार सुरक्षा अधिनियम हेतु ठोस क्रियान्वित अब तक संभव नहीं हो पाई है।

निःसन्देह समय के साथ-साथ पत्रकारिता के मायने उच्च शिखर से सरकते-सरकते एक ऐसे स्थान पर आकर अटक गए हैं कि हर दूसरी उँगली पत्रकारिता की कार्यशैली पर उठने लगी है।

इसके बावजूद क़ानून हाथ में लेने का अधिकार आम आदमी को आज भी नहीं मिला है कि आये दिन इन भूमाफ़ियाओं,अवैध धंधों के आकाओं द्वारा पत्रकारों पर जानलेवा हमले किये जाने लगें और कोई आवाज़ इनके विरुद्ध न उठे।

मीडिया संविधान का चौथा व मज़बूत स्तम्भ रहा है और तो और शासन,प्रशासन और जनता के बीच संवाद और पारदर्शिता का महत्वपूर्ण माध्यम भी मीडिया ही है। यूँ तो वक़्त के साथ डिजिटलाइजेशन के मुख्य आयाम सोशल मीडिया ने पत्रकारिता की परिभाषा को बिल्कुल बदल कर रख दिया है।

हर व्यक्ति अपने आप में मीडिया बन गया है लेकिन पत्रकारिता में शैक्षणिक तौर पर सशक्त व सम्पूर्ण सरकारी प्रक्रिया से गुज़रकर प्रभाव में आने वाला रजिस्टर्ड मीडिया अपना एक अलग स्थान रखता ही है। ऐसे में प्रिंट मीडिया,इलेक्ट्रॉनिक मीडिया जो सरकारी व क़ानूनी प्रक्रिया से गुज़रकर देश को एक नई सोच,नई दिशा व जनता व सरकार के मध्य सेतु बनकर अपना योगदान देते रहे हैं उनकी सुरक्षा बेहद आवश्यक प्रतीत होती है। यह एक संवेदनशील सेवा है जिसका महत्व देश की दिशा तय करता है। केंद्र व राज्य सरकार को इस विषय में अब सोचने की शीघ्रता से आवश्यकता है।

इस संबंध में अध्यक्ष मुकेश मीणा पिंकसिटी प्रेस क्लब जयपुर से हिलव्यू समाचार संपादक शालिनी श्रीवास्तव के बातचीत के कुछ अंश

1. आये दिन पत्रकारों पर जानलेवा हमले हो रहे हैं ऐसे आपका पत्रकार समूह सरकार से क्या अपेक्षा रखता है?

उत्तर: सरकार से पत्रकार सुरक्षा अधिनियम की लगातार मांग की जा रही है और जल्द की इस पर क़ानून बनेगा राज्य सरकार से यह आश्वासन मिला है।

2. इस दौर में पत्रकारिता करना बड़ी चुनौती बन गया है ऐसे में आप इस विषय में क्या विचार रखते हैं?

उत्तर: पत्रकारिता शुरू से ही चुनौतियों का कार्यक्षेत्र रहा है। वक़्त के साथ कार्यशैली में काफ़ी बदलाव आया है। डिजिटल युग है देश का हर नागरिक आज मीडिया की भूमिका में है। ऐसे में रजिस्टर्ड मीडिया की ज़िम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्य भी समानांतर चलें तो पत्रकारिता की नींव और मज़बूत हो सकती है।

3. गत माह पत्रकारों पर जानलेवा हमला हुआ उस बारे में क्या कहेंगे आप?

उत्तर : पत्रकार समूह की तरफ़ से पुलिस द्वारा निष्पक्ष जाँच व क़ानून हाथ में लेने वाले अपराधियों को कड़ी से कड़ी सज़ा देने की अपील की गई है। यह एक निंदनीय व जघन्य अपराध है, मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूँ।

4. केंद्र व राज्य सरकार तक आप क्या बात पहुँचाना चाहते हैं?

उत्तर: पत्रकारिता का कार्यक्षेत्र विस्तृत होने के साथ-साथ जोख़िम से भरा है। केंद्र में इस विषय पर गम्भीरता से विचार होना चाहिए। कड़े से कड़े सख़्त क़ानून के साथ पत्रकार सुरक्षा अधिनियम पास होना चाहिए ताकि असामाजिक व अनैतिक ताक़तों के जो हौसलें बुलंद हुए हैं वो नियंत्रित किये जा सकें और मीडियाकर्मी खुले व सुरक्षित माहौल में निडर होकर देशहित में अपना योगदान दे सकें।

आवासन मण्डल की नई योजनाओं का शुभारम्भ और लोकार्पण

उपलब्धियों की मिसाल बना राजस्थान आवासन मण्डलः नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल

प्रोफेशनल एप्रोच से पार किया 6 हजार करोड़ का टर्न ओवर

हिलव्यू समाचार

जयपुर। नगरीय विकास, स्वायत्त शासन एवं आवासन मंत्री श्री शांति धारीवाल ने कहा कि राजस्थान आवासन मण्डल लीक से हटकर नई योजनाओं पर काम कर रहा है और अपनी इन योजनाओं से मण्डल ने आम आदमी का भरोसा जीतने में फिर से कामयाबी हासिल की है।

धारीवाल शुक्रवार को हॉस्पिटल रोड स्थित राजकीय निवास पर आवासन मण्डल की जयपुर में विभिन्न योजनाओं के शुभारम्भ तथा लोकार्पण कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। नगरीय विकास मंत्री ने इस अवसर पर आवासन मण्डल द्वारा विकसित प्रताप नगर एवं मानसरोवर चौपाटियों में आने वाले लोगों की सुविधा के लिये मोबाइल एप 'Book My Chaupati' की भी लॉन्चिंग की।

कोचिंग हब के आवंटन की प्रक्रिया इसी माह से: नगरीय विकास मंत्री ने इस सफलता के लिये आवासन आयुक्त पवन अरोडा को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आवासन आयुक्त ने लीडरशिप की मिसाल प्रस्तुत करते हुए अपनी टीम में कामयाबी का जज्बा पैदा किया। इसी का नतीजा है कि आज आवासन मण्डल कोचिंग हब, विधायक आवास, सिटी पार्क, फाउंटेन स्क्वायर, कॉन्स्टीट्यूशनल क्लब, मुख्यमंत्री शिक्षक एवं प्रहरी आवासीय योजना और एआईएस रेजीडेन्सी जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं को तेज गति से पूरा कर रहा है। यह हम सभी के लिये बडे गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि कोचिंग हब के आवंटन की प्रक्रिया भी इसी माह में शुरू हो जाएगी।

इसी मानसून में आमजन के लिये खुलेगा सिटी पार्क: नगरीय विकास मंत्री ने कहा कि सिटी पार्क के प्रथम चरण का कार्य पूरा होने को है। आगामी मानसून में हम इसे सघन पौधारोपण के कार्यक्रम के साथ आमजन के लिये खोल देंगे। उन्होंने कहा कि बोर्ड मुख्यमंत्री शिक्षक एवं प्रहरी आवासीय योजनाओं के फ्लैट्स का कब्जा इसी जुलाई माह में देने के लिये प्रयत्नशील हैं। मण्डल 18 छोटे शहरों में भी 3 हजार से अधिक स्वतंत्र आवासों का निर्माण कर रहा है जिसमें से लगभग 15 शहरों में यह निर्माण कार्य पूर्ण हो भी चुका है। सिर्फ आउटर डवलपमेंट का काम चल रहा है। इनका भी पजेशन हम इसी जुलाई माह में देने का प्रयास कर रहे है।

धारीवाल ने कहा कि पहली बार मण्डल ने मुख्यमंत्री जन आवास योजनाओं के 4500 ईडब्ल्यूएस/एलआईजी फ्लैट्स निर्माण कार्य हाथ में लिया है। जिनका काम भी तेजी से चल रहा है। इनमें से 4 योजनाओं में फ्लैट्स का कब्जा इसी वर्ष दे दिया जाएगा।

प्रमुख शासन सचिव नगरीय विकास विभाग श्री कुंजीलाल मीणा ने कहा कि मण्डल को राज्य सरकार से पूरा सहयोग मिल रहा है और जो भी योजना मंजूरी के लिये प्राप्त होती है उसे अविलम्ब स्वीकृति दी जाती है। प्रदेश के जिन नगरपालिका क्षेत्रों में आवासन मण्डल की योजनाएं नहीं है वहां भी भूमि अवाप्त कर योजनाएं लाने की दिशा में काम किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा लैंड फॉर लैंड की नीति लाई गयी है जिसके तहत अभियान चला कर आने वाले तीन महिने में किसानों की भूमि अवाप्ति से संबंधित लम्बित प्रकरणों का निस्तारण किया जाएगा।

इससे पहले आवासन आयुक्त पवन अरोडा ने मण्डल की सफलता का श्रेय आवासन मण्डल की पूरी टीम को दिया। उन्होंने कहा कि जयपुर के प्रताप नगर के हल्दीघाटी मार्ग पर 65 हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में विकसित किया जा रहा कोचिंग हब प्रोजेक्ट देश का अपनी तरह का पहला प्रोजेक्ट है। देश के कई राज्यों के कोचिंग संचालकों ने इसमें रूचि दिखाई है। इसके प्रारंभ होने से रिहायशी क्षेत्रों में कोचिंग संस्थानों के कारण यातायात, पार्किंग एवं व्यावसायिक गतिविधियों की समस्या से निजात मिलेगी और एक ही स्थान पर कोचिंग से संबंधित गतिविधियां संचालित हो सकेंगी।

आवासन आयुक्त ने बताया कि राजस्थान आवासन मण्डल जयपुर में बडे लग्जरी फ्लैट्स बनाने जा रहा है। मण्डल ने ऑल इण्डिया रेजीडेंसी के अधिकारियों के लिये फेज-1 एवं फेज-2 लॉन्च किया है और उनको देखते हुए ही सभी स्टेट सर्विसेज के अधिकारियों की भी मांग थी कि इस तरह के आवास हमारे लिये भी उपलब्ध करवाए जाएं। आज स्टेट सर्विस रेजीडेन्सी आवासीय योजना का शुभारम्भ किया जा रहा है जिसमें कुल 175 फ्लैट्स तैयार करवाये जा रहे है जिसमें राज्य सरकार के सभी विभागों के राज्य सेवा के अधिकारी भाग ले सकेंगे। उन्होंने बताया कि मण्डल के इतिहास में पहली बार इन्दिरा गांधी नगर में 3 एमएलडी एवं मानसरोवर में 2 एमएलडी का सीवरेज ट्रीटमेंट प्लान्ट भी तैयार करवाया गया है। द्रव्यवती नदी से निकलने वाले पानी का शोधन करते हुए सिटी पार्क में भी पानी सिंचाई के लिए दिया जाएगा।

कार्यक्रम में सचिव संचिता विश्नोई, मुख्य अभियन्ता के.सी. मीणा, अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता श्री नत्थूराम, मुख्य सम्पदा प्रबंधक प्रीति सिंह पंवार, राजस्थान आवासन बोर्ड कर्मचारी संघ के अध्यक्ष दशरथ कुमार सहित अन्य पदाधिकारी एवं आवासन मण्डल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित थे।

इन योजनाओं का शुभारम्भ तथा लोकार्पण -

- प्रताप नगर के सेक्टर-24 में 315 करोड रूपये की एनआरआई स्काई पार्क आवासीय योजना का शुभारम्भ। (3 बीएचके, 4 बीएचके एवं 5 बीएचके के 166 फ्लैट्स)
- प्रताप नगर के सेक्टर-19 में RAS, RPS, RJS एवं राज्य सेवा के अन्य अधिखारियों के लिये 127 करोड रूपये की स्टेट सर्विस रेजीडेन्सी आवासीय योजना का शुभारम्भ। (एचआईजी-प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय के कुल 175फ्लैट्स)
- मानसरोवर में फार्म हाउस आवासीय योजना का शुभारम्भ। (1500 से 1800 वर्ग मीटर के 8 फार्म हाउस)
- दो सामुदायिक केन्द्रों (प्रताप नगर के सेक्टर-3 एवं 5 तथा सेक्टर-26 में 4 करोड 65 लाख रूपये की लागत से) का लोकार्पण।
- दो सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांटों (मानसरोवर एवं इन्दिरा गांधी नगर में कुल 5 एमएलडी क्षमता के 14 करोड 50 लाख रूपये की लागत से निर्मित) का लोकार्पण।
- आवासन मण्डल द्वारा विकसित प्रताप नगर एवं मानसरोवर चौपाटियों में आने वाले लोगों की सुविधा के लिये मोबाइल एप 'Book My Chaupati' की लॉन्चिंग।
- मण्डल की विभिन्न आवासीय योजनाओं के पार्कों में द्वितीय चरण के तहत 50 खुली व्यायाम शालाओं के कार्य का शुभारम्भ। (परियोजना की लागत 1 करोड 11लाख रूपये)
- इन्दिरा गांधी नगर, जगतपुरा की 200 फीट चौडी 4.7 कि.मी. लम्बाई में मुख्य सम्पर्क सडक (गंगा मार्ग 6 लेन का) सुदृढीकरण एवं सौन्दर्यकरण के काम की लॉन्चिंग। (परियोजना की लागत 48 करोड रूपये)

बुधवार नीलामी उत्सव से मिली कामयाबी

नगरीय विकास मंत्री ने कहा कि जब हमारी सरकार बनी तब आवासन मंडल हमें करीब-करीब बंद होने के हालात में मिला। करीब 20 हजार अधिशेष आवास थे लेकिन मात्र साढे तीन साल की छोटी सी अवधि में ही मण्डल की टीम ने पूरी मेहनत और प्रोफेशनल एप्रोच से काम कर 6 हजार करोड रूपये से अधिक का टर्नओवर हासिल किया है। कुल 14437 आवासीय एवं व्यावसायिक सम्पत्तियों का विक्रय कर करीब 3 हजार 120 करोड रूपये का राजस्व प्राप्त किया है जो निश्चय ही बडी उपलब्धि है। मण्डल ने अपनी अधिशेष सम्पत्तियों को बेचने के लिये बुधवार नीलामी उत्सव योजना सफलता से लागू की। वित्तीय वर्ष 2022-23 के शुरूआती दो माह में ही बुधवार नीलामी उत्सव के माध्यम से 950 आवासीय एवं व्यावसायिक अधिशेष सम्पत्तियों का विक्रय कर कुल 122 करोड़ रूपये का राजस्व प्राप्त किया गया है।

मानसरोवर चौपाटी को एफएसएसएआई से मिला 'क्लीन स्ट्रीट फूड हब' का सर्टिफिकेट

जयपुर। राजस्थान आवासन मंडल को गुणवत्ता, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य सुरक्षा के मानक पर बड़ी सफलता मिली है। भारत सरकार के फूड सेफ्टी एंड स्टैन्डर्ड ऑथोरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) ने मंडल की मानसरोवर चौपाटी को 'क्लीन स्ट्रीट फूड हब' का सर्टिफिकेट प्रदान किया है। आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने इस उपलब्धि पर संबंधित अधिकारियों तथा चौपाटी के सभी दुकानदारों को बधाई दी है। अरोड़ा ने बताया कि एफएसएसएआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरूण सिंघल ने विभिन्न मानकों एवं बैंचमार्क में खरा पाए जाने पर मानसरोवर चौपाटी को यह प्रमाण पत्र प्रदान किया है। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार की यह संस्था देशभर में खाद्य सुरक्षा एवं भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सबसे बड़ी नियामक संस्था है।

ख़बर-बेख़बर

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर नगर निगम का ख़ज़ाना खाली क्यों रहता है?

क्योंकि जयपुर नगर निगमों के घड़ों में छेद है...

जयपुर नगर निगम के दोनों मुख्यालय हमेशा ख़ज़ाना खाली होने की दुहाई देते हैं लेकिन क्या नगर निगम जयपुर के शीर्षासित अफ़सरों व प्रतिनिधियों ने यहाँ तक कि सरकार ने भी कभी यह जानने की कोशिश की है कि निगम की आय के स्रोत के घड़ों में कहाँ-कहाँ छेद है कि नगर निगम के ख़ज़ाने हमेशा बूँद-बूँद रिसकर खाली रह जाते हैं? इसका एक सशक्त उदाहरण अभी गत सप्ताह सामने आया है।

सबसे पहले तो आप जान लें कि कोटा एज्युकेशन सिटी बना है तो जयपुर शहर फूडी हब बन गया है।।जयपुर की हर गली में आपको बिना फूड लाइसेंस के ढेरों रेस्टोरेंट कैफ़े,स्ट्रीट फूड,ठेले वाले मिल जाएंगे। कोई रोकने टोकने वाला नहीं। बंदी बाँध ली गयी है कि हम तुम्हें गाठें और तुम हमें।

इसी की फेहरिस्त में शामिल है देसी तड़का रेस्टोरेंट जो बिना फ़ूड लाइसेंस के लगभग चार वर्षों से ग्रेटर नगर निगम को शानदार तड़के की जगह चूना लगाता रहा। 14 मई 2022 लगातार निगम को इस बारे में सूचना दी जाती रही है। जागरूक पत्रकारों और जागरूक नागरिकों द्वारा निगम के अफ़सरों के संज्ञान में यह मामला लाया गया।

Registration Certificate
Government of Rajasthan
Medical, Heath and Family Welfare Department
Food Safety and Standards Authority of India
Registration Certificate under FSS Act, 2006

निगम द्वारा 17 मई को सख्त कार्यवाही का हवाला देते हुए नोटिस जारी कर दिए गए किन्तु फिर भी कोई कार्यवाही नहीं होने पर डॉ हंसराज भदालिया सीएमएचओ के संज्ञान में पुनः इस नोटिस का स्मरण दिया गया।

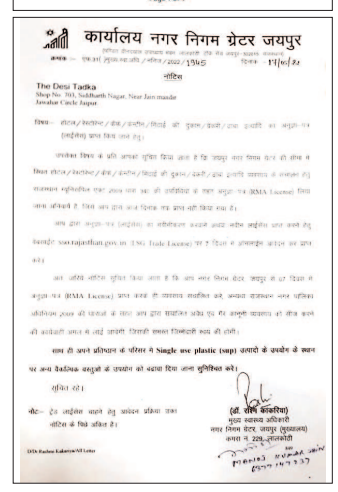
कार्यालय नगर निगम ग्रेटर जयपुर

सीएमएचओ ने तुरंत प्रभाव से फूड इंस्पेक्टर दीपक सिंधी को 20 मई को कार्यवाही करने के आदेश दिए। लगातार शिकायतें होने के बावजूद दीपक सिंधी फूड इंस्पेक्टर ने कोई कार्यवाही देसी तड़का रेस्टोरेंट पर नहीं की बल्कि रेस्टोरेंट मालिक विनीत जैन से मिलीभगत कर उसे पूरा वक्त दिया लीगल कार्यवाही कर लाइसेंस लेने का। और निगम में अवैध और अनर्गल कार्य की पूर्णता की त्वरित गति देखिए कि पुनीत जैन देसी तड़का को 25 मई यानी 4 दिन में ही फूड लाइसेंस बनाकर दे दिया गया। इस तरह निगम की निगाहों के नीचे रोज़ समझौते हो रहे हैं । सैकड़ों रेस्टोरेंट, पब, कैफ़े और बार बिना लाइसेंस धड़ल्ले से चल रहे हैं। निगम के ज़िम्मेदार विभागों के ज़िम्मेदार अधिकारी व कर्मचारी इन व्यवसायियों से आपसी समझ और मिलीभगत कर लगातार सरकारी रेवेन्यू को शून्यता की ओर ले जा रहे हैं।

क्या निगम के शीर्ष पदों पर विराजमान आयुक्त व मेयर व अन्य बड़े अफसर इन अवैध समझौतों व मिलीभगत के ज़िम्मेदार नहीं हैं?

जयपुर में कार-बाइक की नई स्पीड लिमिट तय

40 से ऊपर बाइक दौड़ाई तो कटेगा चालान, 20 की स्पीड से चलेंगे ई-रिक्शा

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर जिले में कमीश्नरेट एरिया से बाहर गाड़ी चलाने वालों के लिए नई स्पीड लिमिट तय की है। तय की इस लिमिट के तहत नेशनल हाईवे (NH) या स्टेट हाईवे पर फोर व्हीलर चलाने वाले 90KM प्रतिघंटा से तेज स्पीड में गाड़ी नहीं चला सकेंगे। इससे ज्यादा स्पीड पर गाड़ी चलाने पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की जा सकेगी। वहीं पहली बार ई-रिक्शा के लिए भी प्रशासन ने स्पीड लिमिट निर्धारित की है। जयपुर कलेक्ट्रेट में गुरुवार सुबह हुई यातायात प्रबंधन समिति की बैठक में जिला परिवहन अधिकारी (RTO) की ओर से दिए प्रस्ताव को मंजूरी देने के बाद जिला प्रशासन ने इसकी अधिसूचना जारी की है। करीब 4 साल बाद जयपुर में नए सिरे से स्पीड लिमिट तय की गई है। इससे पहले साल 2018 में प्रशासन ने जयपुर जिले की सीमा में गाड़ियों की स्पीड लिमिट निर्धारित की थी। शहर में 60 से ज्यादा स्पीड पर पाबंदी जयपुर जिले में आने वाली नगर पालिका या अन्य ग्रामीण एरिया में फोर व्हीलर चालक 60 से ज्यादा स्पीड पर वाहन नहीं चला सकेंगे। इसी तरह इन एरिया में ट्रक, ट्रोला, बस चालक अधिकतम 30 और ऑटो-रिक्शा, मोटरसाइकिल चालक अधिकतम 40 की स्पीड से अपने वाहन चला सकेंगे। वहीं इन एरिया में ई-रिक्शा चालक अधिकतम 20 की स्पीड से अपने रिक्शा चला सकेंगे। इससे तेज स्पीड में ई-रिक्शा चलाने पर कार्रवाई की जा सकेगी।

संपादकीय

पर्यावरण को केवल सरकारी नीतियों और प्रशासन के माध्यम से संरक्षित नहीं किया जा सकता

पिछले कुछ दिनों में ऐसी तमाम खबरें देखने को मिलीं कि भारत में मार्च-अप्रैल में पिछले 122 वर्षों में सबसे अधिक गर्मी पड़ी, दिन का तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा, अंटार्कटिका में लू चली, विश्व के 50 सबसे प्रदूषित शहरों में 35 भारत के। दिल्ली लगातार चौथी बार विश्व का सबसे प्रदूषित शहर रही। ऐसी खबरों के अलावा इन सूचनाओं से भी हम अनभिज्ञ नहीं हो सकते कि इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता समुद्र के बढ़ते जल स्तर के कारण डूब रही है और अब नई राजधानी दूसरे टापू पर बनाई जाएगी, पहाड़ों से निकलती अलकनंदा नदी की मछलियों में और समुद्र से प्राप्त नमक में भी प्लास्टिक के कण मिले, असंतुलित जलवायु और अत्यधिक तापमान के कारण दुनिया में गेहूं की उपज कम हुई। आज जब हम विश्व पर्यावरण दिवस मना रहे हैं तो उपरोक्त खबरों पर हमें गंभीरता से विचार करना चाहिए। इस बार पर्यावरण दिवस का संदेश 'केवल एक पृथ्वी' है।

अरबों गैलेक्सियों के बावजूद हम सब यानी मनुष्य, पेड़-पौधे, जीव-जंतु आदि केवल इस पृथ्वी पर ही जीवित रह सकते हैं और वह भी तब, जब वायु, समुद्र, नदी, तालाब, मृदा आदि पर मंडरा रहे खतरे दूर हो सकें। यह माना जा रहा है कि वर्तमान पीढ़ी ही है, जो पृथ्वी को सहेज सकती है। पृथ्वी के संरक्षण की आवश्यकता क्यों? क्योंकि जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों की विभिन्न प्रजातियों के विलुप्त होने की गति सामान्य से 10 हजार गुना अधिक है। पिछले 25 वर्षों में गिद्ध सहित 8,462 प्रजातियां सदैव के लिए विलुप्त हो गई हैं। 4,415 प्रजातियों का अस्तित्व अत्यधिक खतरे में है। गौरैया को बचाने के लिए अब हम गौरैया दिवस मनाते हैं। कदाचित 2050 तक मछलियां बचेंगी ही नहीं। यदि इन सबके अस्तित्व पर प्रभाव पड़ रहा है तो निश्चित रूप से मनुष्य पर भी खतरा मंडरा रहा है। दुनिया में पीने का पानी तेजी से कम हो रहा है। ग्लेशियर तेज गति से पिघल रहे हैं जिससे समंदरों का जलस्तर बढ़ रहा है। चूंकि करीब 80 करोड़ लोग समुद्र से सौ किलोमीटर की दूरी पर ही रहते हैं, इसलिए उनके विस्थापन का खतरा पैदा हो गया है। गत 12 वर्षों में विश्व में 5.34 करोड़ लोग प्राकृतिक आपदाओं के कारण विस्थापित हुए भी हैं।

विश्व की 33 प्रतिशत कृषि योग्य भूमि की गुणवत्ता कम हो चुकी है, पर खाने वालों की संख्या में वृद्धि हो रही है। गर्म होते समंदरों के कारण अन्य देशों के साथ भारत में भी साइक्लोन आने की संख्या तेजी से बढ़ी है। आखिर पर्यावरण संरक्षण की पहल कौन करेगा? पर्यावरण को केवल सरकारी नीतियों और प्रशासन के माध्यम से संरक्षित नहीं किया जा सकता। यह काम तभी संभव है, जब प्रत्येक नागरिक अपने कर्तव्यों का निर्वहन करे। इतिहास में बड़े परिवर्तन लोगों के एकजुट प्रयास से ही आए हैं। दुख की बात है कि अधिकांश लोग यह मानते हैं कि वे समस्या का हिस्सा हैं ही नहीं और निदान कोई दूसरा करेगा। आवश्यकता है कि हमारी जीवनशैली पर्यावरण संरक्षण की हो। हम पर्यावरण और नैतिकता के गहरे संबंध को समझें।

हमारी संस्कृति तो वैसे भी पेड़-पौधों, पशु-पक्षियों को आदर देने की रही है। बिना आक्सीजन के हम जीवित नहीं रह सकते। एक व्यक्ति को एक दिन में 14,000 लीटर हवा की आवश्यकता होती है। 70 वर्ष की आयु तक जीवित रहते हुए प्रत्येक व्यक्ति करीब उतनी आक्सीजन का

उपयोग कर लेता है, जो 65 वृक्ष अपने पूरे जीवन काल में देते हैं। सवाल है हमने कितने वृक्ष लगाए और उनकी देखभाल भी की? एक शोध के अनुसार 16 वर्ष पूर्व, प्रत्येक दिन केवल दिल्ली में ही ट्रैफिक लाइट पर वाहनों का इंजन बंद न करने के कारण 4.22 लाख लीटर पेट्रोल एवं डीजल व्यर्थ हो रहा था। सोचिए आज देश भर में यह आंकड़ा कितना बढ़ गया होगा? क्या हम ट्रैफिक लाइट पर गाड़ी का इंजन बंद नहीं कर सकते? क्या अपने आसपास पैदल या साइकिल से नहीं जा सकते? क्या हम अपने घर, कार्यालय में अनावश्यक बिजली का उपयोग बंद कर सकते हैं? क्या हम प्राकृतिक रोशनी का इस्तेमाल कर सकते हैं? हमें रिड्यूस, रियूज, रिसाइकिल से आगे जाकर सबसे महत्वपूर्ण रिफ्यूज यानी मना करने की आदत डालनी होगी।

आज के भौतिकवादी युग में सामान खरीदना एक मनोवैज्ञानिक बीमारी सी हो गई है। जिन वस्तुओं की आवश्यकता नहीं है, हम उन्हें न खरीदें। संसाधनों के अनावश्यक उपयोग रोकने से पानी, बिजली, कोयला सब बचाए जा सकते हैं। एक कपड़े की कमीज बनाने में सैकड़ों लीटर पानी का इस्तेमाल होता है। क्या हमने गौर किया कि हमारे पास कितने कपड़े हैं? सिंगल यूज का परिणाम भयावह है। एक दिन में विश्व में 144 करोड़ प्लास्टिक की बोतलों का उपयोग होता है। जब हम बाजार जाएं तो अपना थैला साथ रखकर संसाधन एवं कूड़ा बचाने में बहुत बड़ा योगदान कर सकते हैं। इसी तरह कागज के कम उपयोग से वृक्ष बचाए जा सकते हैं। होटलों में ठहरते समय प्रत्येक दिन तौलिया और चादर न बदलवाकर जल बचाया जा सकता है। सूखी हुई नदियों, गिरते हुए भूगर्भ जल के दृष्टिगत हम अपने मकान, कार्यालय, मोहल्ले में मिलजुल कर स्वयं रेन वाटर हार्वेस्टिंग करा सकते हैं। याद रखें हम पृथ्वी के केवल ट्रस्टी हैं। हमें आने वाली पीढ़ियों के लिए इस पृथ्वी का उपयोग इस प्रकार करना है कि उन पीढ़ियों को भी संसाधन मिल सकें। वर्तमान में पृथ्वी के संसाधनों का इतना उपयोग हम कर रहे हैं, जो डेढ़ पृथ्वी से अधिक के हैं। आज हमें इस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है कि हम अपनी 'धरती मां' के लिए क्या कर रहे हैं, जिसकी वजह से हमारा अस्तित्व है? 'केवल एक पृथ्वी' यानी अपने अस्तित्व को बचाने का एकमात्र समाधान अपने आप से शुरुआत है।

तुम हमारी सुनो हम तुम्हारी सुनें

हेल्दी रिलेशनशिप

कहते हैं कि जहां प्यार होता है, तकरार भी वहीं होती है. लेकिन अगर तकरार लंबी हो जाए तो वो रिलेशनशिप के लिए नुकसानदायक हो जाती है. जब भी दो लव पार्टनर्स के बीच झगड़ा या कोई विवाद होता है तो समझदार कपल एक दूसरे को सॉरी बोलकर बात खत्म कर देते हैं और आगे बढ़ जाते हैं. दोनों तरफ से होने वाली ये पहल ही रिश्ते की मजबूती का आधार बनती है. लेकिन कुछ मामले ऐसे भी होते हैं जिसमें इस सॉरी की उम्मीद केवल एक पार्टनर से ही की जाती है. मतलब हर बार वो ही सॉरी कहता है, चाहे उसकी गलती भी न हो, फिर भी उसे ही माफी मांगनी है. ये वो समझदार पार्टनर होते हैं जो अपना रिश्ता संभालने की भरपूर कोशिश में लगे रहते हैं, वो चाहते हैं कि बात न बिगड़े, इसलिए खुद झुक जाते हैं. ऐसा करना गलत नहीं है, लेकिन अगर बार-बार आपको ऐसा करना पड़ता है या फिर ऐसा करने के लिए आपको मजबूर किया जाता है तो आपको रिलेशनशिप में थोड़ा सतर्क होने की जरूरत है. कुछ बातों पर ध्यान देने की जरूरत है.

मजबूरी तो नहीं?

जब आपकी किसी बात पर अपने पार्टनर के साथ लड़ाई होती है तो अचानक से सब कुछ खत्म होने जैसा दिखाई देता है. दोनों तरफ से जमकर कहासुनी होती है. गलती किसी की भी हो, लेकिन अगर आपको ही हर बार सॉरी बोलना पड़ता है, और आपका पार्टनर कभी भी आपके पास आकर चीजें ठीक करने की कोशिश नहीं करता तो इससे लगता है कि आप एक ऐसे पार्टनर के साथ अपने रिश्ते को आगे बढ़ा रही हैं, जिनके लिए आपका साथ होना या न होना कोई मायने नहीं रखता है. वो आपको डॉमिनेट करने की कोशिश कर रहा है.

खत्म कर देंगे वैल्यू

अगर आपकी गलती हो तो सॉरी कह देने में कोई बुराई नहीं है. चीजों को सही करना एक अच्छे पार्टनर की निशानी है. लेकिन अगर आपके पार्टनर की गलती हो, फिर भी वो कभी सॉरी न कहे और आप ही उन्हें सॉरी कहें ताकि रिश्ता बना रहे, तो समझ लीजिए आप उन्हें खुद पर हावी होने का न्योता दे रही हैं. धीरे-धीरे आपके पार्टनर को इसकी आदत हो जाएगी और रिश्ते में आपकी रिस्पेक्ट लगातार कम होती चली जाएगी. इसलिए अपने आत्मसम्मान के साथ खिलवाड़ न करें. जो सही हो, उसका साथ दें. झुकना बुरा नहीं है, लेकिन अगर समाने वाला आपके झुकने को अपनी जीत समझे और हमेशा वही चाहे तो वो गलत है.

बात बिगड़ न जाए

लव रिलेशनशिप में कोई भी झगड़ा क्यों न हो, उसे सुलझाने का काम दोनों पार्टनर्स का होता है. लेकिन अगर आप ही बार-बार सॉरी कहती रहेंगी तो पार्टनर को ये लगेगा कि वो हमेशा सही होता है, उसका मन अहं और अहंकार से भर जाएगा. वो आपको हमेशा गलती करने वाला या झुका हुआ देखना चाहेगा. वो किसी भी फैसले में आपको भागीदार नहीं बनाएगा. अब ये रिश्ता एकतरफा हो जाएगा, मतलब जैसा वो चाहेगा वैसा. और एक वक्त पर आपको इसमें घुटन महसूस होने लगेगी. बार-बार आपके सॉरी कहने से रिश्ते की डोर सुलझेगी नहीं, बल्कि और उलझ जाएगी.

जिम्मेदारी समझें

प्यार में कपल्स के बीच झगड़े होना स्वाभाविक बात है. लेकिन अगर हर लड़ाई में किसी एक पार्टनर को हर बार झुकना पड़े तो ये एक हेल्दी रिलेशनशिप के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं. ऐसी स्थिति में हर बार माफी की पहल करने की बजाय उन्हें पहल का मौका दें, जिससे उन्हें ये पता चले कि सामने वाला उनकी मनमर्जी के मुताबिक नहीं चलेगा. इस रिश्ते को बनाए रखना दोनों के लिए जरूरी है तो माफी में भी दोनों को बराबर होना होगा. अपने पार्टनर से बात करके उन्हें समझा सकते हैं कि प्यार के रिश्ते में ईगो की कोई जगह नहीं होती.

फैमिली से जुड़े रहेंगे टीनएजर्स

सही-गलत में न तौलें

बच्चे कई ऐसे काम कर देते हैं, जो कि ठीक नहीं होते. ऐसे में उन्हें सही-गलत के तराजू पर न तौलें. दूसरों से तुलना न करें. अकेले में समझाएं.

परिवार में हर आयुवर्ग के लोग होते हैं. अधिक उम्र के लोगों को समझाकर जरूरत के अनुसार काम करवाया जा सकता है, जबकि छोटे बच्चों को डांट भी सकते हैं. फैमिली में टीनएजर्स या यूथ ऐसे होते हैं जो बाहरी दुनिया से अधिक प्रभावित होते हैं. फैमिली के फैसले उन्हें बुरे लगते हैं. उन्हें समझाने पर भी ज्यादा असर नहीं पड़ता और न ही उन्हें डांटा जा सकता है.

ट्रिप में जाने की अनुमति दें

टीनएजर्स अगर अपने फ्रेंड सर्कल को समय देते हैं तो उन्हें ब्रीदिंग स्पेस दें, ट्रिप या गैदरिंग में जाने की अनुमति दें. जब बच्चा आपसे थोड़े समय दूर होगा तो आपका व परिवार का महत्व समझ पाएगा. अतः बार-बार न टोकें.

प्यार महसूस करवाएं

प्यार जताने के लिए बोलना नहीं पड़ता. प्यार का अर्थ ही परवाह है. जरूरत में आप कितनी मदद करते हैं, कितना मोरल सपोर्ट करते हैं, यही प्यार है. ऐसे में न तो ताने दें और न ही दूसरों से तुलना करें.

भरोसा करना सीखें

अक्सर टीनएजर्स की शिकायत होती है कि उन पर पैरेंट्स का भरोसा नहीं है, इसलिए वे उनकी कद्र नहीं करते. बच्चे भी गलतियों से सीखते हैं. अतः डांटें नहीं, बल्कि विश्वास जीतें.

तारीफ के मौके न छोड़ें

परिवार का प्यार और तारीफ, दोनों से बहुत प्रेरणा मिलती है. जब आप किसी की तारीफ करते हैं तो उसके काम को सही बताते हैं.

अपना कंधा आगे बढ़ाएं

जब बच्चे कुछ गलत भी करें तो उन्हें टूटने न दें. मदद के लिए अपना कंधा आगे रखें, ताकि बच्चा लड़खड़ाए तो दूसरों के कंधों की जरूरत न पड़े. कोशिश करें कि बच्चे के दोस्तों को ही दोस्त बना लें.

सेमी फॉर्मल ड्रेस में खुद को करें स्टाइल

जब बात स्टाइलिंग की होती है तो महिलाएं ओकेजन को ख्याल में रखकर खुद को ड्रेसअप करती हैं. ऑफिस से लेकर कैजुअल व पार्टी के लिए वह अलग-अलग आउटफिट को चुनती हैं. पार्टी आउटफिट ऑफिस में नहीं पहने जा सकते, ठीक उसी तरह ऑफिस में आप खुद को कैजुअल में ड्रेसअप नहीं कर सकती हैं. ऐसे में सबसे अच्छा तरीका है कि आप सेमी फॉर्मल ड्रेस को अपने वार्डरोब का हिस्सा बनाएं.

सेमी फॉर्मल ड्रेस को पहनने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इसे आप कई अलग-अलग तरीकों से स्टाइल करके हर ओकेजन पर पहन सकती हैं. इस तरह की सेमी फॉर्मल ड्रेस न तो पूरी तरह से फॉर्मल होती हैं और न ही पूरी तरह से कैजुअल. इनकी यही खासियत इन्हें वर्सेटाइल बनाती है. हालांकि, इन्हें भी कई अलग-अलग तरीकों से स्टाइल किया जा सकता है.

पार्टी में

सेमी-फॉर्मल ड्रेस को अगर आप पार्टी में पहनना चाहती हैं तो आपको ऐसे आउटफिट की तलाश करनी चाहिए, जो सोफिस्टिकेटेड होने के साथ-साथ स्टाइलिश भी हो. ऐसे में अपनी सिंपल ड्रेस को स्टाइलिश ट्विस्ट देने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि आप यूनिक मटेरियल से लेकर उसमें एंबेलिशमेंट्स चुनें. साथ ही, आप ऑफ शोल्डर से लेकर डिफरेंट पैटर्न सेमी-फॉर्मल ड्रेस को पार्टी में पहन सकती हैं.

ऑफिस लुक में

अगर आप बिजनेस मीटिंग या कॉन्फ्रेंस के लिए जा रही हैं तो खुद को स्टाइल करने के लिए सेमी-फॉर्मल ड्रेस के ऑप्शन को चुन सकती हैं. इस लुक में आप एक स्मार्ट पैंट सूट पहन सकती हैं. इसमें आप स्लीव्स से लेकर कलर के साथ थोड़ी एक्सपेरिमेंटल हो सकती हैं, ताकि आपका लुक थोड़ा खास बने. आमतौर पर, ऑफिस में कलर ड्रेसकोड अक्सर ब्लैक या ब्लू होता है. ऐसे में आप सेमी-फॉर्मल ड्रेस में पर्पल, ग्रीन या फिर लीक से हटकर कोई कलर चुनें. साथ ही अपने लुक को और भी खास बनाने के लिए हील्स कैरी करें.

वेडिंग फंक्शन में

अगर आप वेडिंग फंक्शन में खुद को एक कंफर्टेबल लेकिन यूनिक तरीके से स्टाइल करना चाहती हैं तो ऐसे में सेमी-फॉर्मल ड्रेस पहनना अच्छा विचार हो सकता है. वेडिंग फंक्शन के लिए आप नी-लेंथ से लेकर मैक्सी ड्रेस को पहन सकती हैं. आप फंक्शन के लिए फ्लोरल प्रिंट्स को चुनें. इनका ट्रेंड कभी भी आउट नहीं होता और इसमें कई डिफरेंट कलर आपके लुक को और भी खास बनाएंगे. साथ ही, सेमी-फॉर्मल ड्रेस को कैरी करते समय एक्सेसरीज के साथ प्ले करना न भूलें.

डिनर के दौरान

अगर आप इवनिंग लुक में सेमी-फॉर्मल ड्रेस को पहनना चाहती हैं तो ऐसे में आप एक एलीगेंट लुक को सेलेक्ट करें. जैसे, डिनर लुक में नी-लेंथ सेमी-फॉर्मल ड्रेस एक सोफिस्टिकेटेड लुक देती है. इस लुक में हॉल्टर नेक से लेकर कट शोल्डर सेमी-फॉर्मल ड्रेस को पहन सकती हैं. अपने लुक को कंप्लीट करने के लिए आप पम्प्स या हील्स व क्लच कैरी करना न भूलें. इवनिंग लुक में आप एक्सेसरीज को मिनिमल रखें और मेकअप में आइज को थोड़ा बोल्ड लुक दें.

गेम्स के संग छुट्टियों का मज़ा

अधिकांश बच्चों की छुट्टियां शुरू हो चुकी हैं. इंटरनेट, सोशल मीडिया एवं गेमिंग ने उन पुराने खेलों को लोगों से दूर कर दिया है, जो पहले गर्मी के दिनों में खेले जाते थे. ऐसे ही कुछ खेलों से छुट्टियों का लुत्फ दोगुना कर सकते हैं.

छुपम-छुपाई

इसे आइस-पाइस भी कहा जाता है. बच्चों के साथ घर में इसे खेल सकते हैं. इसमें टर्न देने वाला छिपे हुए लोगों को ढूंढता है. छिपा हुआ व्यक्ति टर्न देने वाले को छू ले या थप्पी कह दे तो उसे फिर से टर्न देना पड़ता है.

पिट्ठू या सितोलिया

आमतौर पर यह बेहद लोकप्रिय खेल है. इसमें दो टीम बनाई जाती हैं. 7 पत्थरों को ऊपर-नीचे जमाकर इन्हें प्लेइंग टीम का एक खिलाड़ी बॉल से गिराता है. दूसरी टीम के खिलाड़ी बॉल से किसी को टच करें, इससे पहले पत्थर जमाने पड़ते हैं, अन्यथा वह आउट हो जाता है.

ये खेल भी हैं खास

कैरम : भले ही यह एक चर्चित खेल हो, लेकिन घर में इसे सबके साथ खेलने का अलग ही लुत्फ होता है.

लूडो : हालांकि आजकल यह मोबाइल फोन पर लोकप्रिय है, लेकिन इसे बोर्ड पर ही खेलें तो बेहतर है.

शतरंज : घरों में शतरंज भी खेला जाता है. यह अच्छे स्तर का खेल है और इससे दिमाग भी शार्प होता है.

खो-खो : ऊर्जा व उत्साह से भरा यह खेल खेलकर आप अपनी फिटनेस भी दुरुस्त कर सकते हैं.

रुमाल झपट्टा : घर में अधिक सदस्य हैं तो यह भी खेल सकते हैं. इसमें जितने ज्यादा सदस्य होते हैं, मजा भी उतना बढ़ता है.

दाढ़ी से दमदार लुक

फिल्म एक्टर्स में बियर्ड लुक ट्रेंड में है. यही वजह है कि फैन्स भी उनकी जैसी दाढ़ी रखना चाहते हैं, जो लंबी और घनी हो. असल में ज्यादातर पुरुष अपनी दाढ़ी इसी आस में बढ़ाना शुरू करते हैं कि किसी दिन वो लंबी और घनी हो जाएगी और बेहतरीन लुक देगी. हालांकि, दाढ़ी को घना और अच्छा लुक दिया जा सकता है. यहां तक कि अगर आपकी दाढ़ी पैचेज में आती है और घनी नहीं होती है, तो इसके बावजूद भी आप फुल बियर्ड लुक पा सकते हैं.

वैक्स लगाएं

सबसे पहले एक अच्छा बियर्ड वैक्स खरीदें. वैक्स आपकी दाढ़ी को एक मजबूत पकड़ देता है, जिससे आप इसे अपने हिसाब से स्टाइल कर पाते हैं. इसके अलावा बियर्ड वैक्स दाढ़ी के बालों और जड़ों को बचाता है और घना लुक देता है.

शैम्पू और कंडिशनर का इस्तेमाल

दाढ़ी को घना लुक देने के लिए कई शैम्पू और कंडिशनर आते हैं. रेगुलर शैम्पू और साबुन की जगह इनका इस्तेमाल करें.

ब्लो ड्राई करें

बियर्ड को धोने के बाद इसे खुद ब्लो ड्राई करें, इससे दाढ़ी के बाल घने और मोटे लगने लगते हैं. अगर आप दाढ़ी को खुद से सूखने के लिए छोड़ देंगे तो इससे वॉल्युम नहीं दिखेगा. ध्यान रखें कि आपके चेहरे की स्किन काफी नाजुक होती है, इसलिए ब्लोअर की सेटिंग को लो पर रखें और इसे 10 इंच दूरी पर रखें.

रोजाना ब्रश करें

बियर्ड की सही शेप और स्टाइल बनाए रखने के लिए रोजाना इसे ब्रश करें. ऐसे ब्रश का इस्तेमाल करें, जो जानवरों के बालों से बना हो, हार्ड हो. साथ ही स्टाइलिंग उस वक्त करें जब बाल हल्के गीले हों, लेकिन इतने नहीं कि उनसे पानी टपक रहा हो. इससे आप दाढ़ी को बेहतर तरीके से स्टाइल कर पाएंगे.

फिलर का यूज

अगर आपकी ग्रोथ पैची है और घनी दाढ़ी चाहते हैं, तो आपको बियर्ड फिलर्स का इस्तेमाल करना पड़ेगा. इनको इस्तेमाल करना बेहद आसान होता है. इसके स्प्रे भी आते हैं, जो बियर्ड को भरा हुआ नेचुरल लुक देते हैं.

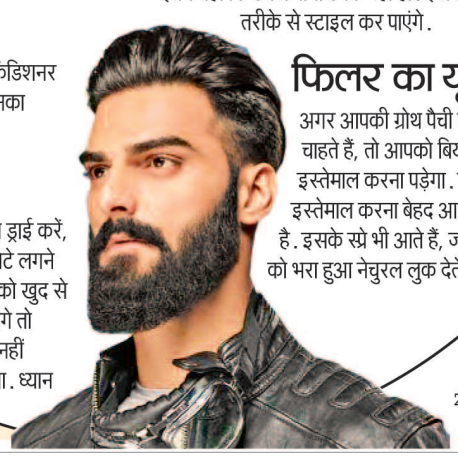

मजेदार है साइकिल की जर्नी

दैनिक जीवन में साइकिल के उपयोग को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से विश्वभर में 3 जून यानी आज विश्व साइकिल दिवस या वर्ल्ड बाइसिकल डे मनाया जा रहा है. इसका उद्देश्य लोगों को ये समझाना है कि साइकिल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए तो बेहतर है ही, पर्यावरण और अर्थव्यवस्था के लिए भी अनुकूल है. संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 3 जून को इस दिन के तौर पर मनाए जाने की घोषणा की थी. आधिकारिक तौर पर पहली बार विश्व साइकिल दिवस 3 जून, 2018 को मनाया गया था.

आज वर्ल्ड बाइसिकल डे

साइकिल डे मनाने का उद्देश्य लोगों को साइकिल चलाने के फायदों के बारे में बताना है. बहुत ही कम खर्च और मेंटेनेंस वाली साइकिल कई तरह से हमारी लाइफ को सुविधाजनक बनाती है. कई शहरों में तो आज भी लोग गाड़ी का नहीं, बल्कि साइकिल का ही इस्तेमाल करते हैं. ऑफिस जाना हो या फिर ट्रिप, उनके हर एक सफर का साथी साइकिल ही है. जानते हैं साइकिल से जुड़े इंटरेस्टिंग फैक्ट्स.

- सेकंड वर्ल्ड वॉर के दौरान जापानी लोगों ने साइकिल से मलेशिया पर हमला किया था.
- साइकिल की वजह से दुनिया में हर साल 238 मिलियन गैलन गैस उत्सर्जन बचता है.
- नीदरलैंड के शहरों में कारों के बजाय बाइक को समायोजित करने की योजना है.
- हर साल 100 मिलियन से ज्यादा साइकिलों का निर्माण हो जाता है.
- जापान दुनिया का पहला देश है, जिसने अपने यहां कई बड़े शहरों में साइकिलों को पार्क करने के लिए अंडरग्राउंड मल्टीस्टोरी ऑटोमैटिक पार्किंग सिस्टम बनाया हुआ है.
- सबसे ज्यादा साइकिलें इस वक्त चाइना में हैं. यहां 50 करोड़ से ज्यादा साइकिलें हैं.
- एक कार की तुलना में साइकिल का मेंटेनेंस 30 गुना तक सस्ता होता है.
- दुनिया में हर साल 10 करोड़ साइकिलें बनाई और बेची जाती हैं. वैसे दुनिया की आबादी के लिहाज से साइकिलों की संख्या मोटर गाड़ियों की तुलना में लगातार कम हो रही है.
- साइकिल की उत्पादन संख्या दुनिया भर में कारों की तुलना में 3 गुना ज्यादा होती है.
- अगर आप रोज साइकिल चलाते हैं तो अपने जीवन को 14 महीने तक लंबा कर सकते हैं.
- दिल की बीमारी वाले लोगों को साइकिल चलाना काफी फायदेमंद होता है.

हिलव्यू समाचार

hillviewsamachar@gmail.com

03

जयपुर » मंगलवार, 07 जून, 2022

गहलोत बोले- बसपा से कांग्रेस में आए विधायक साथ रहेंगेः कहा...

जो सियासी संकट में नहीं गए, उनसे उम्मीद नहीं करनी चाहिए थी

हिलव्यू समाचार

उदयपुर। राजस्थान में राज्यसभा चुनाव को लेकर पिछले एक सप्ताह से चल रही बयानबाजी, नाराजगी और आरोप-प्रत्यारोप पर रविवार को विराम लग गया। सीएम अशोक गहलोत रविवार दोपहर उदयपुर पहुंच गए। विशेष विमान से उदयपुर आए सीएम अशोक गहलोत के साथ बसपा से कांग्रेस में आए विधायक भी थे। इस दौरान अशोक गहलोत ने एक तरफ बसपा विधायकों की तारीफ की और विपक्षी पार्टी बीजेपी पर भी निशाना साधा।

गहलोत ने कहा- बसपा से कांग्रेस में आए विधायक साथ थे, साथ हैं और साथ रहेंगे। उस वक्त सरकार बचाने वालों में जो लोग साथ थे। उनसे बीजेपी को उम्मीद नहीं करनी चाहिए। जिन्होंने क्राइसिस में साथ दिया हो। उसके सामने तो राज्यसभा चुनाव कुछ भी नहीं हैं। गहलोत ने कहा कि हर विधायक की अपनी कुछ समस्याएं होती हैं।

सरकार को स्थिर करने कांग्रेस में आए थे: गहलोत ने बसपा विधायकों के लिए कहा कि ये लोग बीएसपी के बैकग्राउंड के थे। इन्होंने सरकार को स्टेबल करने के लिए कांग्रेस ज्वॉइन की थी। इन्होंने कोई शर्त नहीं रखी। हो सकता है मान-सम्मान में कोई कमी रही हो। इसलिए छोटी-मोटी नाराजगी थी। हम तीनों

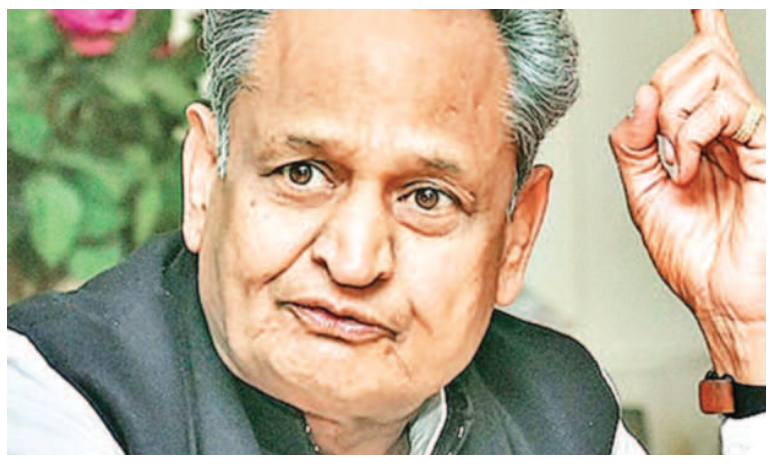

सीट आराम से जीतेंगे।

बीजेपी का षड़यंत्र हमेशा फेल किया है: गहलोत ने बीजेपी पर आरोप लगाते हुए कहा कि जब भी मौका आया है हमने बीजेपी के होर्स ट्रेडिंग के षड़यंत्र को पूरी तरह फेल किया है। जब कोई उद्योगपति मैदान में आता है तो आप मानकर चलो कि वो क्यों आए हैं। वो भी जब संख्याबल नहीं है। वो वोट कहां से लेंगे, क्यों लेंगे। जब हमारे साथ लोग एकजुट हैं तो उनसे बीजेपी वाले कैसे उम्मीद कर सकते हैं। हमारा कुनबा एकजुट है।

हम कभी मोबाइल नहीं लेते, क्राइसिस के समय भी नहीं लिया: बाड़ाबंदी और होटल में सख्ती को लेकर गहलोत ने कहा कि हम कभी मोबाइल लेते ही नहीं हैं। मोबाइल वो लोग लेते हैं जिनको विश्वास नहीं होता। सतीश पूनिया को पूछें उनकी दुर्गति क्यों हुई। 2020 में क्राइसिस हमारे ऊपर आया हुआ था। वो उन पर शिफ्ट हो गया। क्राइसिस के वक्त भी हमने किसी को मोबाइल ने चेंज किया न बंद किया। बाकी राज्यों में लाखों-करोड़ों रुपए खर्च करते हैं। मगर हमने एक नया पैसा किसी को नहीं दिया, तब भी साथ हैं लोग। यही फर्क बीजेपी-कांग्रेस में है।

ये विधायक सरकार के खिलाफ गए तो खुलेंगे केस सरकार ने दबा रखी है कमजोर नस; भ्रष्टाचार, मारपीट और धमकाने के आरोपी

जयपुर। राजस्थान में राज्यसभा की 4 सीटों में 3 का गणित लगभग तय है। 2 सीट पर कांग्रेस और 1 पर भाजपा का कब्जा होता दिख रहा है। अब दोनों पार्टियों का फोकस चौथी सीट पर है। हालांकि कांग्रेस भारी पड़ती दिख रही है, लेकिन भाजपा ने निर्दलीय प्रत्याशी सुभाष चंद्रा को समर्थन देकर मुकाबला रोचक बना दिया है।

कांग्रेस की ओर से सुनिश्चित जीत वाली सीटों पर रणदीप सुरजेवाला और मुकुल वासनिक का प्राथमिकता दी जा सकती है, वहीं भाजपा की पहली प्रायोरिटी घनश्याम तिवाड़ी हैं। ऐसे में चौथी सीट के लिए सुभाष चंद्रा और कांग्रेस के प्रमोद तिवारी में मुकाबला होगा।

इसी चौथी सीट के लिए कांग्रेस की ओर से उदयपुर में बाड़ाबंदी की गई है। कुछ नेता सरकार से नाराज थे। अब धीरे-धीरे वे पहुंच रहे हैं। वहीं, बसपा से कांग्रेस में शामिल हुए विधायकों एवं कांग्रेस सरकार को समर्थन दे रहे कुछ निर्दलीय विधायकों के भी असंतुष्ट होने की भी खबर आ रही थीं, लेकिन सरकार ने लगभग सभी को मना लिया है।

इससे पहले बीच-बीच में कई विधायकों ने जो बयान दिए, उससे भी साफ है कि कांग्रेस में सबकुछ ठीक नहीं है। भाजपा इसी 'सबकुछ ठीक नहीं है' का फायदा उठाने के लिए रणनीति बना रही है।

राजस्थान में 10 जून के बाद बदलेगा मौसम

9 शहरों में भीषण गर्मी, प्री-मानसून में बारिश से मिलेगी राहत

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। राजस्थान में 47 डिग्री सेल्सियस की झुलसाने वाली गर्मी से तप रहे लोगों के लिए राहत की खबर है। अगले हफ्ते के अंत (10 जून के बाद) तक प्रदेश में प्री मानसून की बारिश का दौर शुरू हो सकता है। उधर, 12 जिलों के लिए आंधी का अलर्ट जारी किया गया है।

असम, त्रिपुरा, मेघालय समेत तमाम पूर्वोत्तर राज्यों में मानसून की एंट्री के बाद यहां भी बारिश की उम्मीद बढ़ गई है। मौसम विशेषज्ञों की मानें तो राज्य में बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी वाली हवाएं ही बिहार, झारखण्ड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान में मानसून में अच्छी बारिश लाती हैं।

गंगानगर, धौलपुर में झुलसाने वाली गर्मी: गर्मी के तेवर तेज रहे। जयपुर, गंगानगर, सीकर, जोधपुर समेत कई शहरों में दिन में हीटवेव चली। सबसे गर्म शहर धौलपुर रहा, जहां का अधिकतम तापमान 47.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। गंगानगर में भी आज दिन का तापमान 47 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रिकॉर्ड हुआ। करीब 15 दिन बाद राज्य में तापमान 47 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंचा है।

9 शहरों में गर्मी के तेवर तल्ख: गंगानगर, धौलपुर के अलावा आज 7 अन्य जिलों में भी सूरज के तेवर ने परेशान किया। करौली, अलवर, सिरोही, हनुमानगढ़, चूरू, पिलानी और टोंक के बनस्थली में आज दिन का पारा 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रिकॉर्ड हुआ। लू के थपेड़ों ने लोगों को बेहाल करके रखा।

मौसम केन्द्र जयपुर के मुताबिक, राज्य में 6-8 जून को भरतपुर, धौलपुर, करौली, अलवर, दौसा, टोंक, जयपुर के अलाव बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़, गंगानगर और झुंझुनूं बेल्ट में तेज गर्मी के साथ धूलभरी हवाएं चल सकती हैं।

राज्य सभा में हॉर्स ट्रेडिंग की पूरी सम्भावनाः महेश जोशी बोले

हो सकती है खरीद फ़रोख़्त

डीजी एसीबी बोले... शिकायत पर काम करेंगे

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्य सचेतक महेश जोशी आज एसीबी मुख्यालय में एक परिवाद देने पहुंचे। छुट्टी के दिन डीजी को एसीबी मुख्यालय बुलाकर कार्यालय खुलवाया गया। महेश जोशी ने मीडिया से बात करने के दौरान कहा कि राज्यसभा चुनाव 2022 को लेकर प्रदेश भर में हॉर्स ट्रेडिंग की संभावना बनी हुई है। विधायकों की खरीद-फरोख्त हो सकती है। इस संबंध में चुनाव से पहले भ्रष्टाचार होने की संभावना है। मुख्य सचेतक होने के नाते में भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं करूंगा। जोशी रविवार दोपहर को 12:00 बजे एसीबी मुख्यालय में राज्यसभा में विधायकों की खरीद-फरोख्त को लेकर की जा रही साजिश के तहत शिकायत देने पहुंचे थे। जोशी ने शिकायत डीजी एसीबी बीएल सोनी को दी। डीजी एसीबी बीएल सोनी ने बताया कि एसीबी

को महेश जोशी ने एक शिकायत दी है। जिस पर काम करने के निर्देश जारी कर दिए हैं। अगर किसी भी प्रकार की खरीद फरोख्त की जानकारी एसीबी को मिलेगी तो कार्रवाई सम्भव हैं।

ये दी शिकायत: जोशी की ओर से दी गई शिकायत में लिखा है कि प्रदेश एवं देश के अनेक राज्यों में राजनीतिक गतिविधियों विशेषकर चुनावों के वक्त विधायकों या मतदाताओं की भ्रष्ट तरीके से खरीद-फरोख्त का माहौल बना दिया जाता है। अनेक जगहों पर ऐसी कोशिशें सफल भी हो जाती हैं जो देश के लोकतंत्र को कमजोर करती हैं।

10 जून 2022 को प्रदेश में भी राज्य सभा चुनावों का मतदान एवं तत्पश्चात् मतगणना सम्पन्न की जाएगी। इन दिनों सोशल मीडिया एवं अनेक अन्य प्रकारों से यह आशंका व्यक्त की जा रही है। कि राज्य सभा के इन चुनावों में धनबल का भारी खेल हो सकता है। भ्रष्ट तरीके से विधायकों या किसी को भी प्रलोभन देना, खरीद फरोख्त करना एवं किसी भी अनुचित तरीके से चुनावों को प्रभावित करना संवैधानिक रूप से अपराध की श्रेणी में आता है। इसमें पैसे का लेन देन भी शामिल है।

भ्रष्ट तरीके से या अनुचित रूप से पैसा देने वाला एवं पैसा लेने वाला दोनों ही अपराधी की श्रेणी में आते हैं।

जयपुर में सहायक आबकारी अधिकारी को पीटा

ऑफिस में दो कांस्टेबलों ने किया हमला, लात-घुसों से मारपीट कर फोड़ा सिर

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। जयपुर में आबकारी ऑफिस में गत बुधवार दोपहर दो कांस्टेबल ने सहायक आबकारी अधिकारी पर हमला कर लिया। सहायक आबकारी अधिकारी का पत्थर से सिर फोड़ दिया। जमीन पर गिरने पर लात-घुसों से मारपीट की गई। घायल पुलिसकर्मी के सिर में पांच टांके और शरीर में कई जगह अंधरूनी चोटे आई है। नाहरगढ़ रोड थाने में आरोपी कांस्टेबल के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है। पुलिस ने बताया कि पिलानी झुंझुनू निवासी सूरत सिंह (52) ने मामला दर्ज कराया है। आबकारी निरोधक दल जयपुर ग्रामीण में सूरत सिंह सहायक आबकारी अधिकारी के पद पर तैनात है। बुधवार दोपहर वह गणगौरी बाजार स्थित आबकारी ऑफिस में कम्प्यूटर रूम में काम कर रहा था। आरोप है कि कांस्टेबल अमर सिंह ने शराब पीए महेश को तुरंत फोटो कॉपी करने के लिए उकसाया। शराब के नशे में दोबारा कांस्टेबल महेश आया और गली-गलौज करने लगा। बाहर बैठने की कहने पर ऑफिस तेरे बाप का है क्या कहकर झगड़ा करने लगा। महेश ने मारने के लिए गेट पर पड़ा पत्थर उठाया। बचने की कोशिश करते समय कांस्टेबल अमर दौड़कर आया और पीछे से उसके हाथ पकड़ लिया। महेश ने उसके सिर में पत्थर मार दिया। लहूलुहान होने पर भी अमर सिंह ने उसके हाथ नहीं छोड़े। महेश ने जमकर लात-घुसों से उसको पीटा। जमीन पर गिरने पर भी उसके साथ मारपीट की गई। शोर-शराबा सुनकर स्टाफ बचाने आया तो कांस्टेबल महेश वहां से भाग निकला। घायल सूरत सिंह को

RH राजस्थान आवासन मण्डल
हमारा प्रयास-सबको आवास

जयपुर शहर की प्राइम लोकेशन हल्दीघाटी मार्ग, प्रताप नगर

कोचिंग हब आर्केड में

ई-ऑक्शन के माध्यम से

शोरूम/भूखण्ड खरीदने का सुनहरा अवसर

लोअर ग्राउण्ड फ्लोर
कुल 30 शोरूम
ई-ऑक्शन हेतु 10 उपलब्ध
शोरूम नं. 11 से 15 व 26 से 30
₹39 लाख से शुरू
200 फीट मेन रोड़ फेसिंग
15x30 फीट साइज

अपर ग्राउण्ड फ्लोर
कुल 30 शोरूम
ई-ऑक्शन हेतु 10 उपलब्ध
शोरूम नं. 11 से 15 व 26 से 30
₹49 लाख से शुरू
हाई स्ट्रीट बाजार डिजाइन
बिना कॉलम-खुला फ्रंटऐज लैंडस्केपिंग

फर्स्ट फ्लोर
कुल 30 शोरूम
ई-ऑक्शन हेतु 10 उपलब्ध
शोरूम नं. 11 से 15 व 26 से 30
₹35 लाख से शुरू
पर्याप्त पार्किंग
शोरूम जोड़ने का विकल्प

भूखण्ड सं.	क्षेत्रफल व.मी.	न्यूनतम बोली मूल्य	उपयोग
5	1713.59	₹49000 प्र.व.मी.	आवासीय, गेस्ट हाउस, हॉस्टल व स्टूडियो अपार्टमेंट
6	1712.44		

नियम व शर्तें लागू.

ई-ऑक्शन में भाग लेने के लिए आवासन मण्डल की वेबसाइट www.urban.rajasthan.gov.in/RHB देखें

हेल्प लाइन नं. कार्यालय समय में: 0141-2744688, 0141-2740009 कार्यालय समय उपरान्तः (सायं 6:00 से 8:00 बजे तक) 9461054291 एवं 9460254319, शांतनु वार्ष्णेय (9983131666), पवन सोनी (8852000770) या समन्वयक अधिकारी श्री भारत भूषण जैन (9828363615) से सम्पर्क करें।
मौका दिखाने के लिए साइट पर हैल्प डेस्क की व्यवस्था।

RERA Website: www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2022/1991 (शोरूम), RAJ/P/2022/1992 (भूखण्ड)

राजस्थान संवाद

निगम आपके द्वार कार्यक्रम चढ़ा राजनीति की भेंट

विद्याधर नगर में लोगों की समस्याएं सुनने के बजाए भाषण देकर चले गए विधायक, मेयर

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर नगर निगम ग्रेटर की ओर से आज से शुरू किया गया 'निगम आपके द्वार कार्यक्रम' पहले दिन राजनीति की भेंट चढ़ गया। विद्याधर नगर जोन के वार्ड 24 से शुरू हुआ इस अभियान में मेयर सौम्या गुर्जर और विधायक नरपत सिंह राजवी करीब घंटे भाषण देकर लौट गए। इस दौरान अभियान का जो मूल काम जनता की समस्याएं मौके पर सुनकर उनका निस्तारण करना था वो हुआ ही नहीं। विद्याधर नगर में परशुराम गार्डन में हुए कार्यक्रम में कई लोग अपनी समस्याएं लेकर भी पहुंचे, लेकिन उनकी किसी ने नहीं सुनी। कार्यक्रम में मंच पर मेयर, विधायक के अलावा भाजपा के स्थानीय स्तर के कुछ पदाधिकारियों भी मंच पर मौजूद रहे। इसे देख वहां मौजूद कांग्रेस के पार्षदों नाराज हो गए और उन्होंने अभियान को निगम का अभियान ना बताकर भाजपा का अभियान बताकर बहिष्कार कर दिया।

30 लोग आए लेकिन एक भी समस्या नहीं सुनी

इस अभियान को शुरू करने का उद्देश्य जनता की समस्या को ऑन द स्पॉट सुनकर उस समस्या का मौके पर ही समाधान करवाना था। आज जब कार्यक्रम के पहले दिन लोग पहुंचे तो उनकी समस्याओं को कार्यक्रम में सुनने के बजाए उन्हें एक फॉर्मेट दे दिया और लिखित में समस्या देने के लिए कहा दिया। कार्यक्रम में करीब 30 से ज्यादा लोग पहुंचे और उन्होंने अपनी समस्याएं उस फॉर्मेट में लिखकर दी। कुछ लोगों ने समस्याएं लिखकर देने के बजाए बोलने बताने के लिए कहा, लेकिन न तो उनकी बात किसी ने सुना और न ही लिखित में दी गई समस्याओं का ऑन स्पॉट कोई निस्तारण हुआ।

15 करोड़ लोन नहीं चुकाया, 10 मंजिला बिल्डिंग पर कब्जा

जयपुर के पॉश एरिया में एसएनजी ग्रुप के लग्जरी प्रोजेक्ट पर रेरा का एक्शन

हिलव्यू समाचार

जयपुर। रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) ने आज जयपुर के पॉश एरिया में एक मल्टी स्टोरी ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट का कब्जा लिया। कंपनी ने प्रोजेक्ट के लिए बैंक से लिया करोड़ों रुपए का लोन नहीं चुका पाने के कारण प्रोजेक्ट अधूरा रह गया। इसके बाद प्रोजेक्ट में फ्लैट खरीदने वाले लोगों ने रेरा में अर्जी लगाई थी। इसके बाद रेरा ने चैयरमेन ने इस मामले में सुओमोटो फैसला लेते हुए बैंक से प्रोजेक्ट का कब्जा सौंपने के लिए कहा था। रेरा रजिस्ट्रार रमेश चंद शर्मा ने बताया कि जयपुर के अशोक मार्ग सी-स्कीम स्थित एसएनजी रियल एस्टेट प्रा. लि. ग्रुप का सनराइजर्स प्रोजेक्ट है। इस 10 मंजिला प्रोजेक्ट में 38 लग्जरी फ्लैट बनाए जाने प्रस्तावित है। डवलपर्स की तरफ से इस प्रोजेक्ट के लिए करीब 15 करोड़ रुपए से ज्यादा का लोन बैंक ले लिया। इस लोन को कंपनी ने समय पर नहीं चुकाया, जिसके बाद प्रोजेक्ट में फ्लैट खरीदने वाले लोगों ने रेरा में प्रोजेक्ट का कब्जा नहीं देने की शिकायत दर्ज करवाई। इस शिकायत के बाद रेरा चैयरमेन ने निर्णय करते हुए बैंक से प्रोजेक्ट को रेरा को सुपुर्द करने के लिए निर्देशित किया। इसी के तहत आज बैंक की लीगल ऑफिसर श्वेता फौजदार ने प्रोजेक्ट का कब्जा रेरा रजिस्ट्रार को सौंपा। रजिस्ट्रार शर्मा ने बताया कि रेरा की तरफ से अब इस प्रोजेक्ट का बचा काम किसी दूसरे प्रमोटर या एजेंसी से करवाकर इसके आवंटियों को फ्लैट का कब्जा दिया जाएगा।

मार्च 2018 में फ्लैट बनाकर कब्जा देना था

कंपनी ने इस प्रोजेक्ट को अप्रैल 2014 में शुरू किया था और लोगों से बुकिंग लेना शुरू कर दिया। कंपनी ने सितंबर 2017 तक प्रोजेक्ट पूरा करने की बात कही। इसके बाद 6 महीने का और समय लेते हुए मार्च 2018 तक प्रोजेक्ट पूरा करने की बात कही। इस बीच कंपनी को बैंक का लोन भी चुकाना था, जिसे वह चुका नहीं सकी और डिफॉल्टर हो गई। इसके बाद बैंक ने लोन को एनपीए में डालते हुए अक्टूबर 2018 को प्रोजेक्ट अपने कब्जे में ले लिया था।

एक नज़र

जयपुर में 9 साल की बच्ची को न्यूड कर मर्डर

घर से 200 मीटर दूर मिली बॉडी, मकान मालिक के बेटे सहित 3 से पूछताछ

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। 9 साल की बच्ची को न्यूड कर उसका मर्डर किया गया है। बॉडी घर से 200 मीटर की दूरी पर शनिवार शाम करीब चार बजे सड़क किनारे मिली है। दोपहर में लड़की घर से लापता थी। माता-पिता ढूंढ ही रहे थे कि बॉडी मिलने की सूचना मिली। पुलिस ने 3 युवकों को हिरासत में लिया है। जिसके मकान में बच्ची रहती थी, उस मालिक का बेटा भी इसमें शामिल है। पुलिस इनलोगों से पूछताछ कर रही है। साथ ही, आसपास के इलाके के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। मामला जयपुर के आमेर इलाके की है।

2 घंटे से ढूंढ रही थी मां: पुलिस ने बताया कि बच्ची की पहचान दौसा निवासी के रूप में हुई है। परिवार आमेर क्षेत्र में ही रहता है। लड़की दोपहर करीब 2 बजे घर से निकली थी। घर में बच्ची नहीं दिखी तो मां उसे ढूंढने निकली थी। इसी दौरान राह चलते एक व्यक्ति ने बताया कि पेड़ के नीचे कोई शव पड़ा है। परिवार मौके पर गया तो बच्ची की पहचान हुई। बॉडी पर कोई कपड़ा नहीं था। आशंका जताई जा रही है कि उसके साथ कोई गलत हरकत तो नहीं हुई है। पोस्टमॉर्टम के बाद ही स्थिति साफ हो पाएगी।

3 साल पहले ही लड़की गोद ली थी: पुलिस ने बताया कि परिवार वालों ने बच्ची को 3 साल पहले ही गोद लिया था। परिवार में तीन ही सदस्य थे। बच्ची का परिवार यहीं किराए के मकान में रह रहा है। पिता शादी-पार्टियों में स्टॉल लगाता है।

सड़क तक खून के धब्बे: मौके पर पहुंची पुलिस को मुख्य सड़क तक कई जगह खून के धब्बे मिले हैं। पुलिस का अनुमान है कि हत्यारा वारदात के बाद इसी रास्ते से बाहर निकला होगा। पुलिस को इलाके के नाबालिग लड़कों पर शक है। तीन युवकों को पकड़ा भी गया है। इनसे पूछताछ की जा रही है। डीसीपी नॉर्थ पारिस देशमुख मौके पर पहुंचे और जानकारी ली। एफएसएल टीम भी जांच में जुटी है।

मृतका के पिता ने कराई दुष्कर्म और हत्या की हत्या की रिपोर्ट दर्ज दर्ज की है।

जयपुर पुलिस ने 215 बदमाशों के ठिकानों पर दी दबिशः तीन हजार पुलिसकर्मियों ने 107 संदिग्ध को पकड़ा, हथियार-शराब मिले

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। जयपुर शहर में क्राइम कंट्रोल और क्रिमिनलों का आतंक रोकने के लिए जयपुर पुलिस कमिश्नरेट ने 'गैंगस्टर क्लीन बोल्ड' चलाया। तीन हजार पुलिसकर्मियों की टीम ने गुरुवार तड़के 215 बदमाशों के ठिकानों पर दबिश दी। आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय 107 संदिग्धों को पकड़ा गया। पुलिस ने कुल 8 प्रकरण दर्ज कर 8 बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

एडिशनल कमिश्नर फर्स्ट अजय पाल लाम्बा ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट ने गुरुवार तड़के 'गैंगस्टर क्लीन बोल्ड' ऑपरेशन चलाया। जयपुर कमिश्नरेट के करीब 3 हजार अधिकारी व पुलिसकर्मी ऑपरेशन में मौजूद रहे। जयपुर के चारों

कोनों में पुलिस की सैकड़ों टीमों ने सुबह करीब 5 बजे एक साथ 215 बदमाशों के घर-ठिकानों पर दबिश दी गई। सर्च कर 107 संदिग्धों को पकड़ा गया। पुलिस पकड़े गए संदिग्धों से पूछताछ कर रही है।

यहां ये हुई कार्रवाई

जिला- ईस्ट: ईस्ट जिले में बदमाशों के 79 ठिकानों पर दबिश दी गई। कुल 35 संदिग्धों को पकड़ा गया। 3 चौपहिया व 2 दुपाहिया बरामद किए गए। एक्साइज एक्ट के तहत 2 प्रकरण दर्ज कर संगीता सांसी और कन्हैयालाल को गिरफ्तार किया गया है।

जिला- वेस्ट: वेस्ट जिले में बदमाशों के 43 ठिकानों पर दबिश दी गई। कुल 15 संदिग्धों को पकड़ा गया। 4 चौपहिया व 1 दुपाहिया बरामद किए गए। आर्म्स एक्ट के तहत 1 प्रकरण दर्ज कर आरोपी अशोक ढलान (30) निवासी बिंदायका भांकरोटा को गिरफ्तार किया है।

जिला- नॉर्थ: नॉर्थ जिले में बदमाशों के 67 ठिकानों पर दबिश दी गई। कुल 33 संदिग्धों को पकड़ा गया। 4 वाहन बरामद किए गए। आर्म्स एक्ट के तहत 2 प्रकरण दर्ज कर कलीम और मोहम्मद शमशाद निवासी गलतागेट को गिरफ्तार किया गया है।

जिला- साउथ: साउथ जिले में बदमाशों के 32 ठिकानों पर दबिश दी गई। कुल 30 संदिग्धों को पकड़ा गया। 1 चौपहिया व 1 दुपाहिया बरामद किए गए। एक्साइज एक्ट के तहत 2 और आरपीजीओ एक्ट के तहत 1 प्रकरण दर्ज कर संतरा देवी व गीता देवी और आशुपाल निवासी सोडाला को गिरफ्तार किया गया है।

जयपुर के बीयर बार में डांस कर रही थी लड़कियां

बिना लाइसेंस पिला रहे थे शराब-हुक्का, 2 संचालक सहित 8 युवक गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। जयपुर में बार में अवैध तरीके शराब व हुक्का पिलाने पर शनिवार रात शिवदासपुरा थाना पुलिस ने दबिश दी। बीयर बार में दो लड़कियां डांस करती हुई मिलीं। पुलिस ने मामले में बीयर बार के संचालकों सहित 8 लोगों को गिरफ्तार किया है। डीसीपी (साउथ) मृदुल कच्छावा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में बीयर बार संचालक लालसिंह (31) निवासी लाडनू

नागौर व शक्ति सिंह (28) निवासी परबतसर पिलवा नागौर और हरिराम धोबी (26) निवासी रहलाना दूदू, राहुल कुमावत (21) निवासी मंडावरी हाल नारायण विहार मानसरोवर, सनी कुमार (21) निवासी टोडाभीम करौली, अमित कुमार (23) निवासी टोडाभीम करौली, संदीप कुमार (19) निवासी पावटा प्रागपुरा व रणवीर सिंह (19) निवासी पावटा प्रागपुरा को गिरफ्तार किया है। देर रात सूचना मिली कि महल रोड शिवदासपुरा में बीयर बार में लड़कियों का डांस करवाने के साथ ही अवैध रूप से शराब और हुक्का ऑफर की जा रही है। बीयर बार संचालक बिना लाइसेंस के अवैध काम कर रहे है।

एसएचओ शिवदासपुरा हरिपाल सिंह के नेतृत्व में रात करीब 12:30 बजे महल रोड स्थित बीयर बार फोर शॉट्स पर दबिश दी गई। कार्रवाई के दौरान बीयर बार में दो लड़कियां कस्टमर के सामने डांस करते मिली। बीयर बार के काउंटर पर दोनों संचालक लालसिंह व शक्ति सिंह मिले। शराब व हुक्के पीते मिले कस्टमर हरिराम, सनी, अमित, संदीप, राहुल और रणवीर मिले। पुलिस ने दोनों लड़कियों को चालान किया। पुलिस ने बीयर बार में अवैध रूप से शराब परोसने व पीते मिले आठों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

बीसलपुर पानी की मांग को लेकर बगरू में फूटा गुस्सा

सीएम आवास को घेरने निकली भीड़ को पुलिस ने रोका, पुलिया के नीचे धरने पर बैठे लोग

कार्यालय संवाददाता

दूदू। बगरू विधानसभा क्षेत्र में बीसलपुर के पानी की मांग को लेकर आज रविवार को जल के लिए जन आंदोलन शुरू किया गया। सरकारी स्कूल में एकजुट हुए लोगों ने जयपुर सीएम आवास की ओर कूच किया। जिन्हें बगरू पुलिया के नीचे पुलिस ने रोक दिया। लोगों की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस जाप्ता तैनात कर दिया गया है। गुस्साए लोग सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुलिया के नीचे ही धरने पर बैठ गए। हाथों में बैनर, पोस्टर लेकर नारेबाजी करते हुए लोग पानी की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे है। व्यापारिक संगठनों और सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने प्रतिष्ठान बंदर कर समर्थन दिया है। ग्रामीणों का कहना कि लोग फ्लोराइड का पानी पीने का मजबूर है। कई सालों से सरकारों द्वारा बीसलपुर पानी देने का वादा किया जा रहा है। लगातार पानी की मांग की जा रही है, लेकिन प्रतिनिधि और प्रशासन ने समाधान नहीं किया।

प्रशासन से वार्ता के लिए पहुंचा प्रतिनिधिमंडल: लोगों को रास्ते में ही रोकने बाद 11 सदस्यों की एक कमेटी बनाई गई है। मांग को लेकर कमेटी और प्रशासन के बीच जयपुर में वार्ता होगी। प्रतिनिधिमंडल को सीएम के सचिव सुबोध अग्रवाल से मिलने का प्रस्ताव दिया गया है।

यातायात डायवर्ट लोग परेशान: काफी संख्या में लोगों के सड़क पर आने से यातायात व्यवस्था खराब हो गई। यातायात पुलिस और जयपुर जयपुर कमिश्नरेट के पुलिस अफसरों ने यातायात को अन्य मार्गों से डायवर्ट किया गया।

नशीली दवा कंपनी का डायरेक्टर गिरफ्तारः देहरादून में छिपकर काट रहा था फरारी, एक साल से एसओजी कर रही थी तलाश

जयपुर (कासं.)। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (SOG) ने नशीली दवा कंपनी के डायरेक्टर को शनिवार रात गिरफ्तार किया है। पिछले एक साल से स्क्वत टीम उसकी तलाश कर रही थी। स्क्वत टीम ने देहरादून में दबिश देकर आरोपी डायरेक्टर को गिरफ्तार किया है।

एडीजी (एसओजी व एटीएस) अशोक राठौड़ ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी सुनील नंदवानी (52) कोतवाली देहरादून उत्तराखण्ड का रहने वाला है। बायोमेक्सटार दीपापुर नागालैण्ड के नाम से उसने फर्जी फर्म बना रखी थी। दवा कंपनी का डायरेक्टर सुनील नंदवानी ने अपनी गैंग के साथ मिलकर भारी मात्रा में नशीली दवाईयां (मादक पदार्थ की गोलियां) बनाकर जयपुर में रमैया एंटरप्राईजेज को बेची। गिरोह के बदमाश जयपुर, अजमेर व राजस्थान के अन्य जिलों में अवैध तरीके से नशीली दवाईयों का कारोबार करते थे। अजमेर में प्रकरण दर्ज होने पर स्क्वत ने कार्रवाई कर गिरोह के बदमाश श्याम सुंदर मुदडा निवासी अजमेर, शेख साजिद निवासी मिदनापुर पश्चिम बंगाल, मुकेश टांक निवासी रामगंज अजमेर, कमलदीप मौर्य निवासी गोटन नागौर और शशि भारती निवासी गोपालगढ़ बिहार को गिरफ्तार किया।

अजमेर के वाटर पार्क में भीषण हादसा, युवक की मौत

स्लाइड पर तेज रफ्तार में आए युवक का सिर दूसरे के पेट से टकराया

कार्यालय संवाददाता

अजमेर। अजमेर के बिरला वाटर सिटी पार्क में तीन दिन पहले हुए हादसे में घायल एक युवक की शुक्रवार को जवाहर लाल नेहरू अस्पताल में मौत हो गई। बताया जाता है कि हादसा स्लाइड से आए युवक के टकराने से हुआ। बाद में युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसने दम तोड़ दिया। युवक रायपुर-पाली का रहने वाला है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन के सुपुर्द कर दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

रिश्तेदार आसिफ खान ने बताया कि रायपुर (पाली) निवासी महबूब खान (44) अपने परिवार व कुछ दोस्तों शेख जियादुल व नरेश आहूजा के साथ अजमेर घूमने के लिए 30 मई को आया। यहां बिरला वाटरसिटी पार्क के पानी में था और इस दौरान स्लाइड से आया युवक टकराया और पेट में चोट लगी। जेएलएन अस्पताल में भर्ती कराया। जहां 3 जून को दोपहर बारह बजे उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। बाद में पुलिस को सूचना की। आदर्श नगर थाना

पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन के सुपुर्द कर दिया है। मृतक टोल कंपनी की एम्बूलेंस में चालक है। उसके एक लड़का व लड़की है।

साथ में आए दोस्त की जुबानी, पूरी कहानी....: शेख जियादुल ने बताया कि 30 मई को महबूब व हम लोग परिवार सहित अजमेर आए। दोपहर दो बजे बिड़ला वाटर सिटी पार्क पहुंचे। पांच बजे करीब ऊपर से आ रहे पाइप में तेज गति से एक युवक आया। पूल में खड़े महबूब से टकराया। जिससे महबूब गिर गया। जोर-जोर से चिल्लाने लगा। वो उठ नहीं पा रहा था। तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां, इलाज कराया और जांच कराई। सब कुछ ठीक बताया। घर ले गए। दूसरे दिन पेट में तकलीफ हुई तो फिर हॉस्पिटल आए। लेट हो गए तो उस दिन जांच नहीं हुई। दूसरे दिन जांच हुई और जांच में पाया कि आंत डेमेज है और ऑपरेशन करना पड़ेगा। फिर ऑपरेशन किया। इलाज चल रहा था और आज मौत हो गई।

आदर्श नगर थाने के एएसआई हरभानसिंह ने बताया कि मृतक के दोस्त शेख जियादुल ने रिपोर्ट दी है कि 30 मई को दो बजे वे बिरला सिटी पार्क आए थे। साढ़े पाचं बजे वहां नहाते समय पुल में खड़ा था। स्लाइड से राइड करते हुए एक युवक आकर टकराया। जिससे महबूब खान को अस्पताल लेकर आए। जहां उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी। फिर घर ले गए। शाम को उल्टी होने पर वापस हॉस्पिटल लाए और आंत फटने का पता चला। साढ़े ग्यारह बजे करीब डेथ हो गई। अजमेर ADM सिटी भावना गर्ग से बात की तो उनका कहना है कि बिड़ला वाटर सिटी पार्क की स्वीकृति और सेफ्टी के बारे में पता करके ही बता पाऊंगी।

जयपुर में भीषण सड़क हादसा, दो बहनों की मौत

मंदिर दर्शन कर लौट रही थीं, चाय पीने निकले कार सवार ने मारी टक्कर

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। जयपुर में रविवार सुबह करीब 6 बजे सड़क हादसे में दो बहनों की मौत हो गई। दोनों बहने एक्टिवा पर सवार थी। जिन्हें तेज रफ्तार कार ने चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि एक बहन की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरी ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इस दौरान एक बाइक सवार भी कार की चपेट में आ गया। युवक के पैर में भी फ्रैक्टर हुआ है। सूचना पर पहुंची दुर्घटना थाना पुलिस मामले की जांच शुरू कर दी है। मौके पर पहुंची दुर्घटना थाना पुलिस अब आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है। ताकि पता लगाया जा सके कि हादसा हुआ कैसे। टक्कर के बाद चालक फरार हो गया। पुलिस ने कार को जब्त कर लिया हैं। पुलिस और प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक मृतका तृप्ति जैन (32)और प्रीति जैन (36) अजमेर की रहने वाली थी। ये दोनों बहने आदर्श नगर में 703 चक्रवती बिल्डिंग में माता पिता के पास रह रही थी। दोनों बहने सुबह जैन मंदिर में दर्शन करने के लिए निकली थीं। मंदिर में दर्शन करने के बाद वह घर आ रही थी। तभी राजापार्क परनामी मंदिर के पास लग्जरी कार ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के आगे का हिस्सा टूटकर बिखर गया, जबकि एक्टिवा पूरी क्षतिग्रस्त हो गई। टक्कर लगने से तृप्ति की मौके पर मौत हो गई, जबकि गंभीर रुप से घायल प्रीति को एसएमएस अस्पताल भिजवाया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बाइक सवार भी आया चपेट में हुआ पैर में फ्रैक्चर: जिस समय कार और एक्टिवा में टक्कर हुई, उसी दौरान पीछे से आ रहा बाइक सवार भी इसकी चपेट में आ गया। टक्कर लगने से बाइक सवार आर्किटेक्ट शैलेन्द्र भी घायल हो गया।

PHQ ने जिला एसपी को दिए निर्देश, शुरू के 7 दिन में हुई 3453 गिरफ्तारी

फरार अपराधी 20 जून तक सलाखों के पीछे होंगे जयपुर

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। राजस्थान के थानों में दर्ज मुकदमों में फरार चल रहे अपराधी 20 जून तक सलाखों के पीछे होंगे। पुलिस मुख्यालय ने पूरे प्रदेश में एक विशेष अभियान चलाकर फरार बदमाशों को पड़ने के निर्देश दिए हैं। 20 मई से जारी इस आदेश के अनुसार अब तक 6 हजार से अधिक बदमाश गिरफ्तार हो चुके हैं। पिछले सात दिन में राजस्थान पुलिस के हर जिले से आ रही रिपोर्ट के अनुसार अब तक 6हजार से अधिक फरार बदमाश गिरफ्तार किर लिए हैं।

20 जून तक चलने वाले इस अभियान की कमान एडीजी क्राइम रवि प्रकाश के पास है। उन्होंने बताया कि इस ऑपरेशन की मॉनिटरिंग को पीएचक्यू की क्राइम ब्रांच के सहयोग से किया जा रहा है। 20 जून से 27 जून तक राजस्थान पुलिस ने 3453 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। जिन पर हत्या, लूट, हत्या का प्रयास, डकैती, हथियारों की सप्लाई, रेप, पॉक्सो सहित संगीन आरोप दर्ज हुए थे। जिला पुलिस अधीक्षक हर दिन कितनी गिरफ्तारी कर रहे हैं। वह शाम तक पुलिस मुख्यालय

को अपडेट कर रहे हैं।

जेल पहुंच रहे फरार और आदतन अपराधी: एडीजी क्राइम रवि प्रकाश मेहरड़ा का कहना है कि डीजीपी राजस्थान के निर्देश के बाद यह ऑपरेशन चलाया जा रहा है। हर शाम को बनने वाली रिपोर्ट को डीजीपी एमएल लाठर मॉनिटरिंग करते हैं। जिन जिलों में गिरफ्तारी का प्रतिशत गिर रहा है। उन जिलों के एसपी को रिमाइंडर लैटर दिया गया है। जिससे की वह अपने काम करने की स्पीड़ को बढ़ाए। पिछले कई समय से दुष्कर्म के आरोप में फरार चल रहे 60 लोगों को पुलिस ने अलग-अलग जिलों से गिरफ्तार किया वहीं पोक्सो एक्ट में दर्ज एफआईआर के बाद फरार हुए 70 बदमाश गिरफ्तार हो चुके हैं।

ब्लैकमेल, धमकी, एक्सटॉर्शन के अलग-अलग मामलों में पुलिस ने प्रदेश भर से 90 लोगों को गिरफ्तार किया है। अवैध हथियार रखने और सप्लाई करने वाले 300 से अधिक बदमाश गिरफ्तार किए जा चुके हैं। प्रदेश में डकैती और लूट करने वाले फरार 90 बदमाश जो कई सालों से फरार थे। उन्हें गिरफ्तार किया जा चुका है। रथ यात्रा, शोभा यात्रा, रैली के दौरान सौहार्द खराब करने वाले 25 लोगों को पुलिस ने वीडियो एविडेंस के आधार पर गिरफ्तार किया है। आईसीपी और सीआरपीसी जैसे शांतिभंग, लाउड स्पीकर बजाना, शराब पीकर उपद्रव करने की घटनाओं में 3 हजार से अधिक बदमाश गिरफ्तार हो चुके हैं।

पर्यावरण जन जागृति के लिए अल्बर्ट हॉल से पर्यावरण जन जागृति दौड़ का आयोजन

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रविवार को राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग एवं अन्य विभागों के सहयोग से सुबह 7 बजे अल्बर्ट हॉल, रामनिवास बाग से पर्यावरण जन जागृति दौड़ का आयोजन किया गया। यह दौड अल्बर्ट हॉल से प्रारम्भ होकर त्रिमूर्ति सर्किल, जे.डी.ए. सर्किल, गांधी सर्किल, से वापस जे.डी.ए. सर्किल, त्रिमूर्ति सर्किल, होते हुए अल्बर्ट हॉल पर आकर समाप्त हुई।

इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस-2022 की थीम 'ओन्ली वन अर्थ' (Only One Earth) रखी गयी। इस अवसर पर राज्य राज्य सरकार द्वारा विशेष थीम 'सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध' रखी गयी।

इस कार्यक्रम में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री प्रताप सिंह खाचरियावास मुख्य अतिथि के रूप मे शामिल हुए। साथ ही कार्यक्रम में श्रीमती उषा शर्मा, मुख्य सचिव राजस्थान सरकार विशिष्ट अथिति के रूप में मौजूद रहीं।

कार्यक्रम में श्री शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, डॉ दीप नारायण पांडेय, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (मुख्य वन सैन्य बल), श्री पी के

उपाध्याय सचिव, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, श्री बी प्रवीण, सचिव, वन विभाग, श्री उदय शंकर, सदस्य सचिव, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल भी उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर श्री खाचरियावास ने 'स्टेट क्लाईमेंट चेंज एक्शन प्लान'' का विमोचन किया। वायु गुणवत्ता निगरानी हेतु प्रयुक्त मोबाईल वैन, ई-वेस्ट संग्रहण हेतु प्रयुक्त वाहनों तथा पर्यावरण जनजाग्रति हेतु ''रन फॉर एन्वायरमेंट'' को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। श्री खाचरियावास ने पर्यावरण जनजाग्रति हेतु लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

उषा शर्मा, मुख्य सचिव, राजस्थान सरकार ने अपने उद्बोधन में सभी प्रतिभागियों से 1 जुलाई 2022 से सिंगल यूज़ प्लास्टिक वस्तुओं पर लगने वाले प्रतिबंध की पालना करने की अपील की साथ ही उन्होंने आम जन से स्वेछा से इन सभी वस्तुओं का उपयोग आज ही से बंद करने की अपील की।

इससे पहले शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, राजस्थान सरकार ने मुख्य अथिति, सभी अथितिगणो तथा सभी आगुन्तकों का स्वागत किया एवं कार्यक्रम की संक्षिप्त रुपरेखा को प्रस्तुत किया।

पर्यावरण जन जागृति दौड मे राज्य सरकार, स्थानीय प्रशासन एवं पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, वन विभाग के अधिकारी, सेना व पुलिस के जवान, एन. सी. सी. के कैडेट्स, एन.एस.एस. के स्वयंसेवक, मार्शल आर्ट्स के स्काउट एवं गाइड्स, अभियांत्रिकी महाविद्यालयों के छात्र, एन.जी.ओ एवं जयपुर शहर के आमजन भाग ने भाग लिया।

कार्यक्रम में वेदौड़ में उपस्थित प्रतिभागियों के लिए उपवन संरक्षक उत्तर एवं जयपुर विकास प्राधिकरण की और से निःशुल्क पौधा वितरण करवाया गया।

कार्यक्रम के दौरान माननीय मुख्य अतिथि द्वारा 'स्टेट क्लाईमेंट चेंज एक्शन प्लान का विमोचन किया गया। यह एक्शन प्लान मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत के बजट घोषणा की अनुपालना में पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, राजस्थान सरकार राजस्थान, राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल तथा आई आई टी मुंबई के सयुंक्त अनुबंध में बनवाई गयी है।

कार्यक्रम के दौरान माननीय मुख्य अतिथि द्वारा वायु गुणवत्ता निगरानी हेतु प्रयुक्त मोबाईल वैन को हरी झण्डी दिखाकर रवानगी की गयी। यह मोबाईल वैन चलती-फिरती प्रयोगशाला के रूप में कार्यरत होंगी तथा आवश्यकता पडने पर विभिन्न स्थानों पर अस्थायी रूप से कुछ दिनों के लिये संचालित कर वहां की वायु गुणवत्ता का मापन किया जा सकेगा। वायु प्रदूषकों की मात्रा निर्धारित मानकों से अधिक पाये जानें पर कारण चिन्हित कर इसके निराकरण हेतु उचित उपाय किये जा सकते हैं जिससे कि पूरे साल वायु गुणवत्ता निर्धारित मानकों के अनुरूप बनी रहें।

कार्यक्रम के दौरान माननीय मुख्य अतिथि द्वारा ई-वैस्ट संग्रहण हेतु प्रयुक्त वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर रवानगी की गयी। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, राजस्थान सरकार तथा राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा ‚ह्लद्गह्म्श्च रीसाइक्लिंग के सहयोग से डोर-टू-डोर ई-वेस्ट संग्रहण हेतु जागरूकता अभियान चलाकर ई-वेस्ट के संबंध में आमजन को जागरूक किया जाएगा।

Attero द्वारा जयपुर शहर में डोर-टू-डोर जाकर ई-वेस्ट एकत्रित किया जावेगा। ई-वेस्ट के बदले में उचित मूल्य भी उपभोक्ता को दिया जावेगा। इस सुविधा के उपयोग हेतु टोल फ्री नम्बर 18001029882 पर भी कॉल किया जा सकता है या क्लीन इंडिया पोर्टल (www.cleaneindia.org) का उपयोग कर भी ई-वेस्ट इस संस्था को दिया जा सकता है। 5 जून, 2022 को विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर‚ह्लद्गह्म्श्च की ई-वेस्ट संग्रहण एवम जागरूकता वैन को हरी झंडी दिखाने के बाद यह वैन, सिविल लाईंस (5 जून), मालवीय नगर (6 जून), गांधी नगर (7 जून), बनीपार्क (8 जून), वैषाली नगर (9 जून) में आमजन को ई-वेस्ट के नियमानुसार निस्तारण करने हेतु जागरूक करेगी।

इसी प्रकार के जनजागरूकता अभियान राज्य मंडल के सभी क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा जिला मुख्यालय स्तर पर आयोजित भी किए जाएंगे। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने हेतु 06 जून 2022 को सांयकाल 6:30 बजे जवाहर कला केन्द्र के रंगायन थियेटर, जयपुर में पीपल्स मीडिया थियेटर द्वारा खेजड़ी की बेटी का भी मंचन किया जायेगा।

राजपुताना यूनानी मेडिकल कॉलेज को मिला अवार्ड

जयपुर। राजस्थान चैम्बर ऑफ कॉमर्स ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाएं दे रहे खोह नागौरियान, जगतपुरा रोड स्थित राजपुताना यूनानी मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर को अवार्ड देकर सम्मानित किया गया । यह अवार्ड यहां चैम्बर ऑफ कॉमर्स के मानद सचिव डॉ. केएल जैन ने राजपुताना कॉलेज के सचिव जाकिर गुडएज, प्रशासनिक अधिकारी हाजी अनीस अहमद अल्वी एवं प्रिंसिपल डॉ. शफीक नकवी दिया। कॉलेज प्रबंध कमेटी कर्मियों द्वारा कोविड काल में भी उल्लेखनीय कार्य करते हुए लोगों को मेडिकल सहित अन्य कई प्रकार से राहत सामग्री का समय-समय पर निर्वहन कर अपने दायित्व को निभाया। कॉलेज को मिले अवार्ड से यूनानी पैथी और इससे जुड़े लोगों ने प्रसन्नता जताई हैं, वहीं प्रबंध कमेटी व कॉलेज कर्मियों को बधाई दी है।

ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा 'कल्प तरुह' अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित

प्रकृति संरक्षण के लिए सनातन दृष्टि पर आधारित पर्यावरण अनुकूल नीतियों की जरूरतः राज्यपाल

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने संतुलित विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रकृति संरक्षण की सनातन भारतीय दृष्टि पर आधारित पर्यावरण अनुकूल नीतियों के निर्माण पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि पंचभूत तत्वों पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश को महत्व देने वाली भारतीय सनातन संस्कृति प्रकृति पूजक रही है, तो इसके मूल में पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने का वैज्ञानिक आधार है।

राज्यपाल मिश्र रविवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर माउंट आबू स्थित ज्ञान सरोवर में ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा ÷कल्प तरूह÷ अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक विकास तभी सार्थक होता है, जब तक उससे पर्यावरण और पारिस्थितिकी संतुलन पर विपरीत प्रभाव नहीं पड़े। इसलिए हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित कर जीवन जीना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि पर्यावरणीय संकट का प्रमुख कारण प्रकृति से अपने आपको दूर कर पंचभूत तत्वों की उपेक्षा करना ही है। उन्होंने कहा कि प्रकृति की उपेक्षा कर विकास को गति देने के प्रयासों और उपभोक्तावाद ने प्राकृतिक और जैविक आपदाओं को बुलावा दिया है।

राज्यपाल मिश्र ने कहा कि अमृता देवी के नेतृत्व में खेजड़ली में पेड़ों के लिए हुआ बलिदान वृक्ष संस्कृति में समायी हमारी प्रकृति संरक्षण से जुड़ी सोच का सबसे बड़ा प्रमाण है। उन्होंने जैव विविधता को नष्ट होने से बचाने और पर्यावरण में असंतुलन को दूर करने के लिए उपभोक्तावादी जीवन शैली को बदलने का सभी से आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि विकास कार्यों और योजनाओं में अक्षय ऊर्जा, पर्यावरण सम्मत निर्माण कार्य, पेड़-पौधों और वनस्पतियों के संरक्षण की सोच को प्रमुखता दी जानी चाहिए। उन्होंने आह्वान किया कि हरेक व्यक्ति पेड़ लगाए और उसका संरक्षण करे।

राज्यपाल ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि कल्प तरूह अभियान के अतंर्गत दादी प्रकाशमणि के स्मृति दिवस 25 अगस्त 2022 तक 75 लाख लोगों द्वारा 75 लाख मानवीय उपयोगी प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इन पौधों को लगाने के साथ ही बड़े होने तक इनकी पूरी देखभाल भी की जाए। आरम्भ में राज्यपाल श्री मिश्र ने उपस्थितजनों को भारतीय संविधान की उद्देश्यिका और मूल कर्तव्यों का वाचन भी करवाया।

राज्यपाल ने इस अवसर पर आबू रोड स्थित ट्रॉमा सेंटर में विकसित किए जा रहे आरोग्य वन में औषधीय पौधों के पौधारोपण का शुभारम्भ किया। ग्लोबल होस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के निदेशक डॉ. प्रताप मिढ्ढा ने राज्यपाल को आम का पौधा भेंट किया, जिसे आबू रोड स्थित आरोग्य वन में रोपा जाएगा।

अवैध खनन संयुक्त जांच अभियान में राज्य भर में 1100 कार्यवाही

10 करोड़ जुर्माना राशि वसूल, 1026 वाहन-मशीनरी अब भी थानों में जब्त

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। माइंस विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया है कि प्रदेश में 15 मई से अवैध खनन, परिवहन और भण्डारण के खिलाफ चल रहे संयुक्त जांच अभियान में 1100 से अधिक कार्यवाही कर दस करोड़ से अधिक जुर्माना राशि राजकोष में वसूली जा चुकी हैं। उन्होंने बताया कि जुर्माना वसूली राशि में जयपुर, झालावाड़, बूंदी का आंकड़ा एक-एक करोड़ को छूने में हैं।

एसीएस माइंस डॉ. सुबोध अग्रवाल ने प्रगति समीक्षा के बाद बताया कि जिला कलक्टर द्वारा माइंस, रेवेन्यू, परिवहन, वन और पुलिस विभाग की टीम द्वारा अवैध खनन, परिवहन और भण्डारण के खिलाफ कार्यवाही की जा रही है। प्रदेश में अब तक 131 एफआईआर पुलिस में दर्ज करवाई जा चुकी हैं जिसमें से सर्वाधिक 56 एफआईआर भीलवाड़ा में दर्ज हुई है। बाड़मेर में 15, अलवर में 13, धौलपुर में 10 व शेष अन्य स्थानों पर दर्ज हुई है। जुर्माना अदा नहीं करने वाले 1026 वाहन/मशीनरी आदि संबंधित थानों में जब्त है जिसमें सर्वाधिक 111 वाहन-मशीनरी जयपुर व भीलवाड़ा में 101, अजमेर में 67, जोधपुर में 55, नागौर में 52 व शेष अन्य स्थानों पर वाहन-मशीनरी जब्त है। जब्त शुदा खनिजों में प्रमुख रुप से बजरी के साथ ही मेसेनरी स्टोन, फेल्सपार, क्रेशर डस्ट, चाईनाक्ले, सिलिका सैंड, लाईम स्टोन, बेन्टोनाईट, क्रेशर ग्रिट आदि करीब 1588 टन खनिज मौके पर जब्त है।

जयपुर में 85 लाख 74 हजार 556 रुपये झालवाड़ में 85 लाख 73 हजार 920 रुपये बूंदी में 83 लाख 73 हजार 449 रुपये, पाली में 76 लाख 61 हजार 229 रुपये, अजमेर में 49 लाख 48 हजार 149 रुपये व शेष राशि अन्य स्थानों पर वसूल की गई है।

बिजली चोरी व दुरूपयोग के 2481 मामलों का निस्तारण

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। जयपुर डिस्कॉम द्वारा बिजली चोरी व दुरुपयोग के मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए चलाई जा रही एमनेस्टी योजना के तहत चालू वित्तीय वर्ष में 17 मई, 2022 तक 2 हजार 481 मामलों का निपटारा किया गया है। निगम को इससे.6 करोड 19 लाख 67 हजार रूपए राजस्व की प्राप्ति हुई। जयपुर डिस्कॉम के प्रबन्ध निदेशक अजीत कुमार सक्सैना ने बताया कि बिजली चोरी व दुरूपयोग के मामलो में 31 दिसम्बर, 2021 तक भरी गई वीसीआर के लम्बित प्रकरणों के निस्तारण हेतु 1 अप्रेल से 30 सितम्बर, 2022 तक 6 माह की अवधि के लिए एमनेस्टी योजना शुरू की गई है। योजना के तहत सभी लम्बित वीसीआर के प्रकरणों का सहायक अभियन्ता कार्यालय स्तर पर ही निपटारा किया जा रहा है। एमनेस्टी योजना के तहत 1 लाख रूपए तक की सिविल लायबिलिटि या दुरूपयोग की राशि का 50 प्रतिशत व पूर्ण प्रशमन राशि जमा करवाकर प्रकरण का निस्तारण कर दिया जाएगा।

विश्व पर्यावरण दिवसः मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने ईवीएम एवं वीवीपेट वेयरहाउस परिसर में किया पौधा रोपण

राज्य के सभी निर्वाचन कार्यालयों में लगाये जायेंगे सोलर सिस्टम एवं वाटर हार्वेस्टिंग

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रविवार को यहा झोटवाडा स्थित निवारू रोड़ पर निर्वाचन विभाग के ईवीएम एवं वीवीपेट वेयरहाउस केन्द्र पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण गुप्ता ने अशोक का पौधा लगाकर पौधरोपण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री कृष्ण कुमार एवं वित्तीय सलाहकार श्रीमती अनुपमा शर्मा एवं विशेषाधिकारी श्री सुरेश चन्द्र ने पौधे लगाये। इसके अतिरिक्त जिला प्रशासन के अधिकारियों ने भी विभिन्न प्रजाति के छायादार पौधे परिसर पर लगाये ।

इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण गुप्ता ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर सभी निर्वाचन कार्यालयों में भी विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधे लगाने का कार्यक्रम चलाया गया है। उन्होंने अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा कार्यालयों में पेपरलैस कार्य को बढावा देने पर भी जोर दिया। जिससे कागज के लिए पेडों का अंधाधुंध कटाव को रोका जा सके।

उन्होंने पर्यावरण को स्वच्छ बनाये रखने के लिए प्लास्टिक की थैलियों पर रोक लगाने एवं उनका इस्तेमाल नहीं करने पर जोर दिया। उन्होंने निर्वाचन कार्यालयों के सभी भवनों में सोलर पावर सिस्टम लगाने एवं वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाने के निर्देश दिये। इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ईवीएम एवं वीवीपेट वेयरहाउस केन्द्र के भवन एवं परिसर का निरीक्षण भी किया तथा परिसर में बनाये गये 15 हजार लीटर पानी के वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को भी देखा तथा इस कार्य की सराहना की। इससे पूर्व सचिवालय स्थित निर्वाचन विभाग के कार्यालय में भी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पौधा रोपण किया।

पर्यावरण दिवर पर स्टूडेंट्स ने प्रोड्क्टस डिस्प्ले किए

इको फ्रेंडली ई साइकिल ने लोगों को किया अट्रैक्ट

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। राजस्थान पर्यावरण और ऊर्जा संरक्षण केंद्र जयपुर द्वारा होटल क्लार्क्स आमेर में वर्ल्ड पर्यावरण दिवस पर अधिक से अधिक से वृक्ष लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया। राज्य के कई जगहों और एजुकेशन इन्सटिट्यूशन से सैकड़ों पर्यावरण एक्सपर्ट ने पर्यावरण के नुकसान से लोगों को अवेयर किया। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए अनेक ठोस उपाय सुझाए गए। इस अवसर पर 'पदम विजेता' हिम्मताराम भांभू ने सभी से आवाहन किया कि हमें पर्यावरण के प्रति सजग तो होना ही चाहिए साथ में पर्यावरण के प्रति कार्य को मूर्त रुप भी देना होगा।

यदि सभी व्यक्ति संकल्प ले की वृक्ष लगाने के साथ ही उनके संरक्षण का पूरा ध्यान देंगे तभी हमारा प्रयास सार्थक होंगे । इसमें

पूर्व विधायक एवं पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कि जिस तरह धरती का तापमान बढ़ रहा है तथा अनेक जीव जंतुओं की प्रजातियां विलुप्त हो रही है, हमें इस पर भी ध्यान देना होगा। संस्था के अध्यक्ष वैभव भारद्वाज ने कहा कि हमारी संस्था पर्यावरण की दृष्टि से राजस्थान के अनेक जिलों में कार्य कर रही है ।

इस अवसर पर पूर्व महानिदेशक मौसम विभाग डॉक्टर लक्ष्मण सिंह राठौड़, अनिल कुमार विश्नोई, ओम सिंह राजावत , प्रोफेसर अनिल कुमार छंगानी , डॉक्टर लक्ष्मीकांत शर्मा को पर्यावरण उत्कर्ष पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर स्टूडेंट्स ने पर्यावरण के प्रति सजग रहने के लिए इन्सपायर करने वाली कई पेंटिग, प्रोड्क्टस बनाऐ और डिस्प्ले किए। ई साइकिल, एसएमएस के जरिए हाईटेक इरिगेशन सिस्टम जैसी कई चिजों ने लोगों को काफी अमेज किया। इसमें बेस्ट पार्टिसिपेंट्स को संस्था की और से अवार्ड भी किया गया।इसके साथ ही आज रामनिवास बाग, अल्बर्ट हॉल के सामने, झालाना, जैसे कई जगहों पर संस्था की ओर से पौधा रोपण भी किया गया ।

राज्यपाल ने ट्रेवर्स टैंक का सपरिवार भ्रमण किया

जैव विविधिता संरक्षण के लिए मिल कर प्रयास करने पर दिया जोरः राज्यपाल

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने गत गुरुवार सांय को देलवाड़ा में ट्रेवर्स टैंक का सपरिवार भ्रमण किया।

माउन्ट आबू वन्यजीव अभयारण्य में स्थित ट्रेवर्स टैंक के चारों ओर फैली वन सम्पदा को देखकर राज्यपाल श्री मिश्र अभिभूत हो गए। बाद में टैंक के किनारे रुक कर उन्होंने प्राकृतिक दृश्यावलियों का अवलोकन किया।

राज्यपाल ने इस दौरान राजस्थान के इस सुंदर पर्वतीय पर्यटन स्थल का पारिस्थितिकी अनुकूलता के अंतर्गत संरक्षण और विकास किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में आ रहे पारिस्थितिकीय बदलाव को देखते हुए स्थानीय स्तर पर पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि यहां की जैव विविधता अद्भुत है, जिसको सुरक्षित रखने के लिए सभी स्तरों पर प्रयास होने चाहिए।

इससे पहले मिश्र को अधिकारियों ने ट्रेवर्स टैंक पहुंचने पर यहां के वन्य जीव एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी दी।

BOL अनमोल

मनुष्य उतना ही महान होगा जितना वह अपनी आत्मा में सत्य, त्याग, दया, प्रेम और शक्ति का विकास करेगा.

- स्वेट मार्डेन

MOOD मैजिक

कुछ नया करें

अगर आपका मूड लगातार खराब रहता है तो अपनी जीवनशैली बदलें. यदि आप आमतौर पर घर में छुट्टी बिताना पसंद करते हैं तो आपको घर से दूर प्राकृतिक वातावरण में घूमने की प्लानिंग करना चाहिए. इससे आप अपने जीवन में रोमांच जोड़ सकेंगे. उबाऊ आदतों को बदलें, मजे करें, कुछ नया करने की कोशिश करें, कुछ ऐसा जो आप पहले नहीं सोच सकते थे. यदि आप इस तरह के नाटकीय परिवर्तनों के लिए तैयार नहीं हैं तो पुराने, परिचित चीजों को एक नए तरीके से करने की कोशिश करें. अपना आहार बदलें, क्योंकि कई बार भोजन से हमें ऐसे विटामिन और खनिज मिलते हैं जो हमारे मूड को प्रभावित करते हैं. शरीर को एक विविध और स्वस्थ आहार की आवश्यकता होती है जो इसे पूरे दिन के लिए ऊर्जा के साथ चार्ज कर सके.

SAPNE अपने

कुआं देखना- सम्मान बढ़ना
गुरु दिखाई देना- सफलता मिलना
गोबर देखना- पशुओं के व्यापार में लाभ
जटाधारी साधु देखना- अच्छे समय की शुरुआत
सफेद घोड़े का रथ देखना- राज्य पद की प्राप्ति
चलता हुआ फव्वारा देखना - खोई हुई वस्तु मिलना

तीसरी आंख

एक बार एक राजा ने अपने दरबारियों को बुलाया, उसने प्रत्येक दरबारी को 10 स्वर्ण मुद्राएं दीं और कहा कि अगले 3 दिनों में वे इन मुद्राओं को जिस प्रकार चाहे, खर्च कर सकते हैं. सब बड़े खुश हुए. लेकिन तभी राजा ने बोला कि लेकिन 3 शर्तें हैं. दरबारी उसकी ओर देखने लगे. राजा बोला कि एक तो तुम लोगों को 3 दिन बाद आकर बताना होगा कि इन्हें

समस्या में ही छुपा होता है हल

तुमने किस प्रकार खर्च किया और दूसरी शर्त यह है कि तुम इनमें से एक भी स्वर्ण मुद्रा तब तक नहीं खर्च कर सकते, जब तक कि मेरा मुंह न देख लो. तीसरी और आखिरी शर्त यह है कि यदि तुम इन्हें खर्च न कर सके तो तुम्हें स्वर्ण मुद्राएं मुझे वापस लौटानी होंगी. दरबारियों को यह बात अरुचिकर लगी. लेकिन राजा का आदेश था तो मानना लाजिमी था. अगले दिन वे सुबह-सुबह राजा का मुंह देखने राजमहल आ पहुंचे तो वहां मुख्य द्वार पर एक बड़ा सा ताला लटका हुआ पाया. अगले दिन भी ऐसा ही हुआ और तीसरे दिन भी. इस प्रकार उनके तीनों दिन ऐसे ही बीत गए. आखिर चौथे दिन राजा से उनकी भेंट हो पाई. राजा ने सबसे पहले स्वर्ण मुद्राओं के बारे में पूछा. सबके चेहरे लटके हुए थे. उन्होंने राजा को उसकी मुद्राए लौटा दीं. एक दरबारी चुपचाप खड़ा था. राजा ने उससे मुद्राओं के बारे में पूछा तो उसने बताया कि उसने दसों मुद्राओं को खर्च कर दिया, फिर उसने पूरे खर्च का ब्यौरा भी पेश कर दिया. इस पर बाकी दरबारी राजा को भड़काने लगे कि इसने आपकी शर्त का उल्लंघन किया है, इसे दंडित किया जाए. इस पर वह दरबारी बोला कि उसने हर मुद्रा को राजा का मुंह देखने के बाद ही खर्च किया है. राजा ने पूछा कि मैं तो 3 दिन राज्य से बाहर था, तुमने मेरा चेहरा कैसे देखा? इस पर दरबारी ने बताया कि स्वर्ण मुद्रा के एक ओर आपका चेहरा अंकित है. मैं हर मुद्रा को खर्च करने से पूर्व उसी के दर्शन किया करता था. राजा उसकी चतुराई पर बहुत खुश हुआ और उसने इनाम में उसे दस मुद्राएं और दीं. मतलब समस्याओं का समाधान उन्हीं के भीतर छिपा होता है.

सत्र-ठंडा ! गरम !!

संसद के सामने खड़े,
भूखे-नंगे गरीब लोग,
दिल्ली की ठंड में थर-थर कांप रहे थे।
इन भूखों और नंगों में,
विपक्षी दल के नेता गण,
वाद-विवाद की संभावना भांप रहे थे।
संसद में घुसने के साथ,
विपक्षी दल के नेता ने,
सत्ता पक्ष पर घनघोर आरोप लगाए -
''संसद के सामने खड़े,
भूखे-नंगे गरीब लोग,
अंधी सत्ता को क्यों नजर नहीं आए?
हमारा ये आरोप है -
आपकी अंधी आंखों पर,
सत्ता के मद का रुपहला परदा पड़ा है।
आपको क्यों नहीं दिखता,
देश का ये आम आदमी,
संसद के सामने भूखा-नंगा खड़ा है?''
विपक्षी आरोप सुनकर,
सत्तापक्ष के कर्णधार,
पहले कुछ देर तिलमिलाए, अचकचाए।
फिर जरा सा संभलते ही,
सत्तापक्षीय अंदाज में,
वे अपने तेवर दिखाने पर उतर आए।
बिफरे, चीखे, चिल्लाए -
''जब आप सत्ता में थे,
तब आपने इन लोगों के लिए क्या किया?
किस भूखे को आपने,
भरपेट खाना खिलाया,
किस नंगे को आपने कपड़ा पहना दिया?''
आरोप-प्रत्यारोप की
चीख और चिल्लाहट में,
'शीत' सत्र का वातावरण 'गरमा' गया।
बाहर खड़ा भूखा-नंगा,
सांसदों की बहस सुनकर,
भ्रमित हुआ, उसका भोला मन भरमा गया।
इधर गरम वस्त्र पहने
भरे पेट संसद सदस्य,
'शीत' सत्र 'गरमाने' की खुशी मना रहे थे,
उधर बाहर प्रतीक्षित,
भूखे-नंगे गरीब लोग,
ठंड में ठिठुर रहे थे, आंसू बहा रहे थे!

▌मधुप पांडेय,
9422111511

बात पते की

समय कहता है खुद को प्रूव करो

आज समय बदल चुका है. वह हमसे कहता है कि खुद को प्रूव करो - बी प्रैक्टिकल. फिर चाहे नया बिजनेस हो या नौकरी, अवसर का लाभ उठाना ही समय की मांग है. करिअर में यह बहुत जरूरी है कि तरक्की के लिए ऐसी बातें फॉलो करें जो आपको सभी की नजरों में ऊंचा उठाने में सीढ़ी का काम करें.

करें कुछ अलग

अनुभवों के आधार पर आगे की योजना बनानी चाहिए. आपको पूरे साल के लिए स्पेसिफिक प्रोफेशनल गोल्स सेट करने चाहिए. आपको इन लक्ष्यों को लिख लेना चाहिए. अगर आप अब तक बॉस से टारगेट शीट नहीं मिली है तो परेशान होने की जरूरत नहीं है. आप चाहें तो खुद के लिए टारगेट शीट तैयार कर सकते हैं.

काम के लिए न करें इंतजार

जिस काम को शुरू करना है, उसके लिए अलग से आदेशों का इंतजार न करें. खुद की छवि सेल्फ स्टार्टर की बनाएं. पहले सप्ताह में रिलेक्स रहने के बजाय जिम्मेदारी लें और प्रोएक्टिव काम करें. इससे आपकी प्रशंसा होगी.

नोटबुक साथ में रखें

आप जहां भी जाएं, अपने साथ एक नोटबुक और पेन जरूर रखें. लोगों द्वारा बताई गई बातों को तुरंत नोटबुक में नोट कर लें. लोगों से सवाल पूछें और महत्वपूर्ण जानकारी नोट करते जाएं. आपने नया-नया ज्वॉइन किया है, इसलिए आपके लिए कोई भी सवाल बेवकूफाना नहीं है. कंपनी से जुड़ा हर सवाल पूछें. शुरुआती दिनों में आपको काफी जानकारियां दी जाती हैं, इसलिए लिखना महत्वपूर्ण है. इससे आपको हर चीज पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत नहीं होगी. बातों को लिखने से आपको नये आइडियाज आएंगे.

लाइमलाइट से बचें

ऑफिस में किसी विषय पर जरूरत से ज्यादा न बोलें. ज्यादा से ज्यादा सुनने और सीखने की कोशिश करें. खुद को ज्यादा होशियार बताने या लाइमलाइट में लाने से आपको भविष्य में परेशानी हो सकती है.

डेस्क से चिपके न रहें

अपनी डेस्क से उठकर आस-पास के लोगों से मिलें और उनके हालचाल पता करें. इंटरपर्सनल बॉन्ड के लिए सामाजिकता बहुत जरूरी होती है. ऑन-बोर्ड प्रोसेस और कंपनी एक्टिविटी को गंभीरता से लेना सीखें.

पॉलिटिक्स से बचें

कई बार लोग बहुत जल्दी ऑफिस पॉलिटिक्स में रुचि लेने लगते हैं. इससे वे वर्कप्लेस पर दुश्मन बना लेते हैं जो खतरनाक साबित हो सकता है. इस स्थिति में लोग आपको आगे बढ़ने नहीं देते और आप परेशान रहते हैं.

फिट हो जाएं

नई नौकरी में पहले सप्ताह में ही आपको हर चीज का एक्सपर्ट बन जाना चाहिए. आपको कंपनी के कल्चर के बारे में समझ विकसित करनी चाहिए. जब आप कंपनी के सोशल और प्रोफेशनल तौर-तरीकों को अपना लेते हैं तो आपको भी जल्द ही स्वीकार कर लिया जाता है. लिखित नियमों, अलिखित नीतियों, काम के तौर-तरीकों, शब्दावलियों और परिस्थितियों से निपटने के तरीकों को जल्द से जल्द सीख लेना चाहिए.

जगह पहचानें

ऑफिस में कौनसी चीज कहां है, यह आपको पता होना चाहिए. आपको पता होना चाहिए कि प्रिंटआउट कहां मिलेंगे, अगर आपलॉग-इन नहीं कर पा रहे हैं तो कहां जाना है, लंच के लिए कहां जाना है. ऑफिस के आसपास के स्थानों के बारे में भी जानकारी जुटाएं. पास के मेडिकल स्टोर और वर्कप्लेस पर पहुंचने के वैकल्पिक रास्तों के बारे में जानकारी रखें.

अपना भविष्य तलाशें

आपके लिए सफलता के मायने क्या हैं? कंपनी में अपनी भूमिका का निष्कर्ष निकालें. अगर आप उन परिस्थितियों को नहीं पहचानते जो सफलता के लिए जानी जाती हैं तो आपका ज्ञान व्यर्थ है. आपको भविष्य की तलाश में जुट जाना चाहिए. आपको पता होना चाहिए कि जीवन में बाधाएं आने पर सबसे पहले किनसे मदद मांगेंगे. पता करना चाहिए कि आपको अपने सपनों को पूरा करने के लिए किन-किन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा.

BRAIN जिम

1) शिकागो धर्म सम्मेलन कब हुआ था?
- सितम्बर 1893 यूएसए में
2) यूपीसी यूनिवर्सल प्रोडक्ट कोड किससे संबंधित है?
- बार कोड से
3) सूर्योदय से पूर्व ही सूर्य का आभास होना किसका कारण है?
- प्रकाश अपवर्तन का

4) पंचायतों को संवैधानिक दर्जा देने वाला अनुच्छेद कौन सा है?
- 243 (अनु.)
5) संयुक्त राष्ट्र महासभा ने साम्यवादी चीन को कब शामिल किया था?
- 1971 में
6) हिंदी के बाद भारत में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा कौन सी है?
- बंगाली
7) राजप्रमुख के पद को राजस्थान में राज्यपाल कब बनाया गया था?
- 1956 में
8) छोटी तीज का त्यौहार कब मनाया जाता है?
- सावन में
9) 2007 का यूनाइटेड नेशन विमन टुगेदर एवार्ड किसे मिला था?
- वसुंधरा राजे को
10) दूध, मूंगफली, नमक के उत्पादन में भारत का प्रथम राज्य कौन सा है?
- गुजरात

प्राइड जोन

ऐतिहासिक भवन आगा खान पैलेस

आगा खान पैलेस पुणे के येरवड़ा में स्थित एक ऐतिहासिक भवन है. इसे भारत की स्वतंत्रता के कई निर्णायक क्षणों के लिए आज भी महत्वपूर्ण माना जाता है. ये इमारत लगभग 19 एकड़ से भी अधिक क्षेत्र में फैली हुई है. यह इतालवी मेहराब और विशाल लॉन का एक अनूठा संयोजन है.

1892 में शाह आगा खां तृतीय ने इसे बनवाया था. 1969 में आगा खां चतुर्थ ने इसे भारत सरकार के सुपुर्द किया. कस्तूरबा गांधी, सरोजिनी नायडू और महात्मा गांधी के सचिव महादेवभाई देसाई 2 साल तक यहां रहे. इसी प्रवास के दौरान कस्तूरबा और महादेवभाई की यहां मृत्यु हुई थी. उनकी अस्थियां स्मारक के बागीचे में रखी गई हैं. गांधीजी के जीवन पर एक फोटो-प्रदर्शनी और उनकी व्यक्तिगत उपयोग की वस्तुएं जैसे उनकी चप्पलें और चश्मे यहां रखे गए हैं. सरोजिनी की स्मृति में उनकी चीजें भी यहां रखी गई हैं.

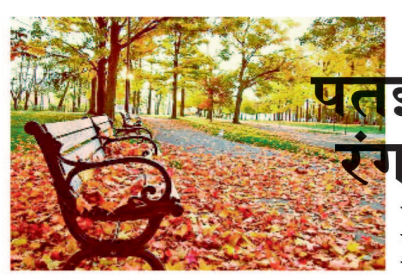

SCIENCE जोन

पतझड़ में पत्तियों का रंग क्यों बदलता है

पौधे 2 प्रकार के होते हैं, एक सदाबहार जो कि बारह महीने ही हरे-भरे रहते हैं, दूसरे वे पौधे जिनकी साल के विशेष महीने में पत्तियां झड़ जाती हैं. पतझड़ में पौधे विश्राम करते हैं. पतझड़ आने पर पौधों की पत्तियां पीली होकर झड़ जाती हैं. इसके बाद पौधों पर नई पत्तियां आती हैं. पतझड़ के दौरान पौधे अपने भोजन की पूर्ति पत्तियों के कार्बनिक पदार्थों से करते हैं. पौधे भी जीवित प्राणियों की तरह अपशिष्ट पदार्थ पैदा करते हैं, लेकिन ये अन्य जीवों की तरह इन्हें तत्काल त्यागते नहीं हैं, बल्कि इन्हें यह पतझड़ आने तक अपनी पत्तियों के ऊत्तकों में जमा करके रखते हैं. पतझड़ के मौसम में पौधे पत्तियों के सभी उपयोगी पदार्थ अवशोषित कर लेते हैं और केवल अपशिष्ट पदार्थ ही छोड़ते हैं. इन्हीं अपशिष्ट पदार्थों के कारण ही पत्तियों का रंग भूरा, पीला और लाल हो जाता है.

मोमबत्ती कैसे बनती है?

मोम कार्बन और हाइड्रोजन तत्वों से मिलकर बना है. जब मोमबत्ती जलती है तो इस प्रक्रिया में कार्बन, वायु की ऑक्सीजन से मिलकर कार्बन मोनोऑक्साइड और कार्बन डाईऑक्साइड गैसें बनाती है, जो हमें दिखाई नहीं देती. इसी प्रक्रिया के दौरान मोम में मौजूद हाइड्रोजन, ऑक्सीजन के साथ मिलकर पानी बनाता है जो जलती मोमबत्ती से भाप बनकर उड़ जाता है. थोड़ा बड़ा अधपका कार्बन मोमबत्ती के धुएं के रूप में हम देखते हैं. कुल मिलाकर जलती हुई मोमबत्ती का मोम जलने की प्रक्रिया में कार्बन मोनोऑक्साइड, कार्बन डाईऑक्साइड, पानी और धुएं या काजल में बदल जाता है.

EXTRA जोन

हर मुस्कुराहट का अलग अंदाज!

मुस्कुराना जिंदादिली की अलामत है. कभी-कभी इंसान का दर्द भी मुस्कुराहट बनकर चेहरे पर आ जाता है, तो कभी यही मुस्कुराहट किसी की खुशी की वजह बन जाती है. मुस्कान की कई किस्में हैं. हर मुस्कुराहट का अपना अलग अंदाज और मतलब होता है. मुस्कुराहट में छिपे इन मायनों को भी समझना बहुत जरूरी है. उन्नीसवीं सदी में फ्रांस के न्यूरोलॉजिस्ट डचेन द बोलोन ने मुस्कान पर रिसर्च की थी. अपनी रिसर्च में उन्होंने करीब 60 प्रकार के चेहरे के भावों पर अध्ययन किया और पाया कि हर तरह का भाव पैदा करने में चेहरे की अलग-अलग मांसपेशियां अपना काम करती हैं.

बनावटी मुस्कुराहट

बहुत बार हमारे चेहरे पर एक दुखभरी मुस्कान आती है. ऐसा अक्सर तब होता है जब हम दुखी और लाचार होते हैं. यानी ऐसी स्थिति, जब हम चाह कर भी कुछ नहीं कर पाते. ये मुस्कान बड़ी बनावटी सी होती है.

हल्की सी मुस्कान

चेहरे पर हल्की सी मुस्कान को अंग्रेजी में 'डेम्पेंड स्माइल' कहा जाता है. ये ऐसी मुस्कान होती है जिसमें हम अपनी हंसी को अंदर ही अंदर रोकने की कोशिश करते हैं. गाल थोड़े से उठ जाते हैं लेकिन होंठ सख्ती से बंद होते हैं. जैसे हम ये कहने की कोशिश कर रहे हों कि हम नहीं हंसेंगे.

अपमान करने वाली हंसी

क्वालिफायर मुस्कान बड़ी अजीब तरह की मुस्कान होती है. इसमें अक्सर बेदिल मुस्कान के साथ सिर हल्का सा झुक जाता है. एक मुस्कान सामने वाले का अपमान करने वाली होती है. इसे अंग्रेजी में 'कंटेंप्ट स्माइल' कहा जाता है.

शरारतभरी स्माइल

एक मुस्कान ऐसी भी होती है जो शरारतभरी होती है. इसमें इंसान मुस्कुराता भी है लेकिन कोशिश करता है कि उसके दिल की कैफियत किसी को पता न चले, इसीलिए वो सबके सामने अपनी हंसी काबू में करता है. लेकिन जब अकेला होता है तो शरारत पर दिल खोलकर हंसता है.

झूठी मुस्कान

हरेक मुस्कान को पढ़ना आसान नहीं. लेकिन झूठी मुस्कान को बहुत आसानी से पढ़ा जा सकता है. कहते हैं जब हम दिल से मुस्कुराते हैं तो हमारी आंखें भी मुस्कुराती हैं. लेकिन जब हम झूठ-मूठ का मुस्कुराते हैं, तो आंखें हमारा साथ नहीं देतीं. हम जिन लोगों से हर रोज मिलते हैं, जब उनके चेहरे पर झूठी मुस्कान तैरती होती है तो हम उसे भांप लेते हैं.

कई प्रकार की होती है स्माइल

क्या आप जानते हैं

5000 वर्ष ईसा पूर्व हुई नूडल्स की शुरुआत

आमतौर पर माना जाता है कि नूडल्स की शुरुआत चीन और जापान से हुई लेकिन कुछ लोगों का दावा है कि 13वीं शताब्दी में मार्को पोलो जब इटली से चीन पहुंचा तो अपने साथ नूडल्स लाया और छा गया. लेकिन, ऐसे भी ऐतिहासिक तथ्य हैं कि 5000 वर्ष ईसा पूर्व मध्य-पूर्व एशिया में लोग आटे से बने तरह-तरह के नूडल्स खाया करते थे. तीसरी शताब्दी के चीन में भी ऐसे खाद्य पदार्थों का जिक्र मिलता है. हाल के एक पुरातात्विक अवशेष में तो चीन में 5000 साल पहले भी नूडल्स की उपस्थिति का प्रमाण मिला है, जिससे नूडल्स की खोज को लेकर चीन की दावेदारी सही जान पड़ती है. कहते हैं चीन से जब बौद्ध धर्म जापान पहुंचा तो साथ में नूडल्स भी पहुंचे और जापानियों के भोजन का एक अहम हिस्सा बन गए. जापान में दो प्रकार के नूडल्स लोकप्रिय हैं- एक का नाम है उडोन और दूसरे का सोबा. चीन में तो 90 प्रतिशत रेस्तरां में किसी न किसी तरह नूडल्स पेश किए जाते हैं. सिंगापुर में इन नूडल्स को थोड़ा बदलकर पेश किया गया और इसे नाम मिला 'मैगीमी' जो हमारे यहां आते-आते सिर्फ मैगी रह गया. अमेरिका में रैमन कंपनी द्वारा बनाए गए नूडल्स टॉप रैमन सर्वाधिक मशहूर हैं. उबालकर पकाए जाने वाले नूडल्स का पहला विवरण 5वीं शताब्दी में मिलता है. तब येरुशलम में ऐसे नूडल्स खाए जाने का चलन था.

हिलव्यू समाचार

hillviewsamachar@gmail.com

07

जयपुर » मंगलवार, 07 जून, 2022

एक नज़र

22 जून को आयोजित होगी कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा

14 मई को रद्द हुआ था पेपर, नकल रोकने के लिए ATS और SOG करेगी निगरानी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान में 4588 पदों के लिए 14 मई को रद्द हुई कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा अब 22 जून को आयोजित करवाई जाएगी। जिसमें प्रदेशभर के डेढ़ लाख से ज्यादा अभ्यर्थी शामिल होंगे। भर्ती परीक्षा के लिए 14 जून के बाद एडमिट कार्ड जारी किये जाएंगे। वहीं भर्ती परीक्षा में नकल रोकने के लिए ATS और SOG की टीम भी निगरानी रखेगी। बता दें कि इससे पहले 14 जून को परीक्षा केंद्र से पेपर लीक होने के बाद भर्ती परीक्षा को रद्द कर दिया गया था। जिसके बाद प्रदेशभर में 13 से 16 मई तक चारों दिन तक आयोजित हुई भर्ती परीक्षा को रद्द करने की मांग शुरू हो गई थी।

30 मिनट पहले ही बंद हो जाएगा प्रवेश: भर्ती एवं पदोन्नति बोर्ड की महानिदेशक महानिरीक्षक संदीप सिंह चौहान ने बताया कि 22 जून को एक दिन तक दो पारियों में भर्ती परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। जिसमें पहली पारी की परीक्षा सुबह 9:00 बजे शुरू होगी। वहीं दूसरी पारी की परीक्षा दोपहर 3:00 बजे शुरू होगी। कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा शुरू होने से 30 मिनट पहले तक ही केंद्र में प्रवेश दिया जाएगा। ऐसे में अगर कोई अभ्यर्थी 30 मिनट पहले तक परीक्षा केंद्र नहीं पहुंच पाया। तो उसे प्रवेश नहीं दिया जाएगा। इसके साथ ही किसी भी प्रकार की नकल संबंधी सामग्री पाए जाने पर अभ्यर्थी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रोडवेज बसों में फ्री में कर सकेंगे सफर

राजस्थान में होने जा रही कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा के अभ्यर्थी भी प्रदेशभर में बसों में फ्री में सफर कर सकेंगे। इसके तहत अभ्यर्थी 21 जून से 23 जून तक रोडवेज बसों में फ्री में एडमिट कार्ड दिखा कर सफर कर सकेंगे। प्रदेशभर में यह सुविधा राजस्थान रोडवेज की बसों में उपलब्ध होगी। मई में आयोजित हुई भर्ती परीक्षा में भी अभ्यर्थियों के लिए फ्री में सफर की व्यवस्था की गई थी। लेकिन उस वक्त बसों की किल्लत से छात्रों के साथ आम यात्रियों को काफी परेशानी उठानी पड़ी थी।

नेट-थियेट पर सुरीले वायलिन वादन सांझ

वायलिन के तारों ने खोला सुरों खजाना

जयपुर। नेट-थियेट के कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज दो उभरते वायलिन वादक सैयद रिजवान अस्करी और दिशा गोस्वामी ने जब वायलिन की जुगलबंदी पर सुर छेड़े तो पूरा माहौल संगीतमय हो गया। नेट-थियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि मशहूर वायलिन वादक गुलजार हुसैन के प्रतिभावान शिष्यों ने जब सात सुरों के सरगम से सजी इस महफिल में सुरीले वायलिन वादन से राग यमन के छोटे खयाल में मध्यम तीन ताल में अलाप, तीनों सप्तक की तानें और गायकी व तंत्रकारी अंग से दर्शकों का दिल जीत लिया। दोनों कलाकारों ने वायलिन वादन की प्रतिभा दिखाई। अंत में वंदे मातरम् व राग खमाज की धुन से कार्यक्रम का समापन किया। इनके साथ तबले पर उभरते कलाकार जेयान हुसैन ने असरदार संगत से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आपको यह बता दें कि जेयान मशहूर तबला नवाज स्वर्गीय उस्ताद काले खां साहब के पड़पौत्र है। कार्यक्रम का संचालन रमेश पुरोहित ने किया। कैमरा संचालन जितेन्द्र शर्मा, प्रकाश मनोज स्वामी, मंच सज्जा घृति शर्मा, अंकित शर्मा नोनू और जीवितेश शर्मा संगीत विष्णु कुमार जांगिड़ और सौरभ कुमावत का रहा।

आरयूएचएस कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज: खुद तैयार करेगा डेंटल मैकेनिक, डेंटल हाइजेनिस्ट और ऑपरेटिंग रूम असिस्टेंट, तीनों डिप्लोमा कोर्सेज में 20-20 सीटों पर प्रवेश सत्र 2023-24 से मिलेगा

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। प्रदेश का जयपुर के सुभाष नगर स्थित आरयूएचएस कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज में बीडीएस और एमडीएस कोर्स के बाद अब डेंटल मैकेनिक, हाइजेनिस्ट और ऑपरेटिंग रूम असिस्टेंट भी तैयार करेगा। सरकारी स्तर पर पहला संस्थान होगा। तीन तरह के कोर्सेज की तैयारियां प्रारंभ कर दी है। डेंटल कॉलेज को न केवल मेनपावर मिलेगा बल्कि दांतो से संबंधित बीमारी से पीड़ित मरीजों को क्वालिटी से युक्त इलाज मिल सकेगा। डेंटल चेयर्स के साथ ही इस्तेमाल होने वाले उपकरणों को समय ठीक करना आसान होगा। सत्र 2023-24 से विद्यार्थियों को प्रवेश मिलेगा। मौजूदा स्थिति में इन कोर्सेज के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर, मेनपावर और उपकरण उपलब्ध है। ये ही नहीं आरयूएचएस कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज में बीडीएस की सीटें 50 से बढ़ाकर 100 करने की योजना प्रस्तावित है, जिससे सरकारी स्तर पर बीडीएस में 100 सीटों पर प्रवेश मिल सकेगा। इससे विद्यार्थियों को राज्य के बाहर नहीं जाना पड़ेगा।

आरयूएचएस कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज को डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया (डीसीआई) नई दिल्ली को संचालित किए जाने वाले नए कोर्सेज के लिए पहले आवेदन किया जाएगा। इसके बाद में निरीक्षण और निर्धारित मापदंडों पर खरा उतरने पर अनुमति मिलेगी।

तीन नए डेंटल डिप्लोमा कोर्स प्रारंभ किया जाना प्रस्तावित है। डेंटल मैकेनिक, हाइजेनिस्ट और ऑपरेटिंग रूम असिस्टेंट के लिए डीसीआई नई दिल्ली से अनुमति मिलने पर तीनों में 20-20 सीटों पर प्रवेश मिल सकेगा। सरकारी स्तर पर पहला संस्थान है, जहां इस तरह के कोर्सेज की तैयारी चल रही है। - डॉ. सुधीर भंडारी, कुलपति, आरयूएचएस

कम फीस में इन कोर्स में पढ़ाई कर सकेंगे स्टूडेंट्स

सरकारी संस्थान में कोर्स करने वाले विद्यार्थियों को राज्य के बाहर नहीं जाना पड़ेगा। और निजी की तुलना में कम फीस में अध्ययन कर सकेंगे। डेंटल मैकेनिक का काम डेंटल चेयर्स और प्रोस्थेटिक वर्क। हाइजेनिस्ट का मुंह के अंदर होने वाली बीमारियों को रोकना व स्केलिंग करना। ऑपरेटिंग रूम असिस्टेंट का स्टर्लाइजेशन और औजारों की देखभाल समेत ओटी से संबंधित काम। राजस्थान स्टेट डेंटल काउंसिल में 123 डेंटल हाइजेनिस्ट और 55 डेंटल मैकेनिक पंजीकृत।

CHA आंदोलनकारियों ने किया आर-पार की लड़ाई का ऐलान

संविदा कैडर में भर्ती की है मांग, 63 दिनों से दे रहे धरना

जयपुर। राजस्थान सरकार के खिलाफ को सीएचए आंदोलनकारियों ने आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। पिछले 63 दिनों से जयपुर के शहीद स्मारक पर धरना दे रहे प्रदर्शनकारी अब प्रदेशभर में कांग्रेस के खिलाफ प्रचार करेंगे। सीएचए संघर्ष समिति के पदाधिकारी ने कहा कि हमें प्रदर्शन करते हुए 2 महीने का वक्त बीत गया है। लेकिन सरकार ने अब तक हमारी मांगों पर ध्यान नहीं दिया। ऐसे में अब हम विधानसभा चुनाव में सरकार को सबक सिखाएंगे।

सीएचए संघर्ष समिति के प्रदेशाध्यक्ष रवि चावला ने कहा कि सर्दी से लेकर गर्मी का मौसम आगया है। दो दर्जन से ज्यादा सीएचए बीमार होकर हॉस्पिटल में भर्ती हो गए है। बावजूद इसके हम संविदा कैडर में भर्ती की मांग को लेकर शांतिप्रिय धरना दे रहे है। लेकिन सरकार ने हमारी शांति को हमारी कमजोरी समझ लिया है। इसलिए अब सीएचए और उनके परिजन सरकार के खिलाफ प्रदेशभर में अभियान चलाएंगे। इसके साथ ही जब तक सीएचए को संविदा कैडर में शामिल कर हमें फिर से रोजगार नहीं दिया जाएगा, हमारा धरना जारी रहेगा।

दरअसल, राजस्थान सरकार ने कोरोना काल के दौरान प्रदेशभर में 24 हजार सीएचए वर्कर्स की नियुक्ति की थी। जिन्हें कोरोना मरीजों के उपचार के साथ घर-घर जाकर दवाई लेने की जिम्मेदारी दी गई थी। 31 मार्च को सीएचए वर्कर्स का कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो गया। इसके बाद सरकार ने सभी को नौकरी से हटाने का आदेश जारी कर दिया। जिसके खिलाफ प्रदेशभर के सीएचए वर्कर्स पिछले 63 दिन से जयपुर के शहीद स्मारक पर धरना दे रहे हैं। इस दौरान 2 दर्जन से ज्यादा प्रदर्शनकारियों की तबियत बिगड़ गई है। इसके बाद बीजेपी के साथ कांग्रेस के नेता भी सीएचए वर्कर्स को फिर से रोजगार देने की मांग करने लगे है।

आईपीएस की तबादला सूची जल्द

जिनकी शिकायतें और निष्क्रिय हैं उन्हें नॉन फील्ड पोस्टिंग, सात को मिल सकती है कप्तानी

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। आईपीएस अफसरों की लंबे समय से पेंडिंग लिस्ट जल्द जारी होगी। इसमें जिला एसपी, डीसीपी के साथ एडीजी व आईजी रैंक तक के नाम होंगे। मुख्यालय में डेपुटेशन से लौटे आईजी विकास कुमार, गौरव श्रीवास्तव व राजेन्द्र चौधरी को रेंज की जिम्मेदारी मिल सकती है। राघवेन्द्र सुहासा को भी महत्वपूर्ण पोस्टिंग मिलने की संभावना।

नॉन फील्ड पोस्टिंग में रहे एसपी राजीव पचार, अरशद अली, हाल पदोन्नत संजीव नैन, एसपी अनिल बेनीवाल, गौरव यादव, गगनदीप सिंघला, राशि डोगरा व पूजा अवाना को जिले की कप्तानी मिल सकती है। अजमेर एसपी विकास शर्मा, सीकर एसपी कुंवर राष्ट्रदीप, नागौर एसपी राममूर्ती जोशी, प्रतापगढ़ एसपी अमृता दुहान, जयपुर कमिश्नरेट नॉर्थ डीसीपी पारिस देशमुख, जयपुर कमिश्नरेट ईस्ट डीसीपी प्रहलाद कृष्णिया व कोटा ग्रामीण एसपी कावेन्द्र सागर बड़े जिले की कप्तानी की दौड़ में सबसे आगे हैं। आईपीएस विकास सांगवान को भी पुलिस महकमे में बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है।

इन्हें नॉन फील्ड पोस्टिंग: करौली एसपी शैलेन्द्र सिंह, राजकुमार गुप्ता, रिचा तोमर, मोनिका सेन, राजन दुष्यंत, तेजस्वनी गोतम, श्वेता धनकड़ व दिगत आनन्द का नॉन फील्ड होना तय माना जा रहा है।

मिश्रा व भूपेंद्र दक डीजीपी के दावेदार: अगले 15 दिन में डीजीपी का नाम तय हो जाएगा। एसीबी डीजी बीएल सोनी का नाम डीजीपी की दौड़ की चर्चा में सबसे आगे चल रहा है। अगर 15 दिन में वर्तमान डीजीपी एमएल लाठर इस्तीफा नहीं देंगे तो सोनी दौड़ से बाहर हो जाएंगे और नवंबर माह तक लाठर ही डीजीपी पद पर रहेंगे। इसके बाद उमेश मिश्रा व भूपेन्द्र दक डीजीपी पद के दावेदार होंगे।

एक नजर

'जयपुर मेयर सौम्या गुर्जर की तरह घर बैठने की धमकी': फूट-फूटकर रोने वाली बीडीओ पर चाकसू प्रधान का आरोप

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। जयपुर में जिला परिषद की बैठक में बुधवार को हुए घटनाक्रम के बाद बीडीओ और प्रधान के बीच टकराव और बढ़ गया है। चाकसू प्रधान उगंता चौधरी ने बीडीओ कृष्णा माहेश्वरी पर नया आरोप लगाया है। उगंता चौधरी के मुताबिक बीडीओ ने उन्हें जयपुर नगर निगम ग्रेटर की मेयर सौम्या गुर्जर की तरह घर बैठाने की धमकी दी थी। वहीं इन आरोपों से बीडीओ ने इनकार किया है। भास्कर से बातचीत में कृष्णा माहेश्वरी ने कहा कि उनकी आज तक इस तरह की कोई बात प्रधान से हुई ही नहीं है।

चाकसू प्रधान ने 17 दिसंबर 2021 को शासन सचिव पंचायती राज विभाग को लिखे एक शिकायती पत्र को भी सार्वजनिक किया। पत्र में चाकसू प्रधान उगंता चौधरी ने लिखा था कि बीडीओ की ओर से मेरे द्वारा लिए गए निर्णयों और आदेशों को बिना सूचना दिए बदला जा रहा है। इस पर जब उनसे बात की तो बीडीओ ने धमकी दी और कहा कि नगर निगम जयपुर मेयर सौम्या गुर्जर की तरह तुम्हे भी घर बैठवा दूंगी। इस मामले पर शासन सचिव ने भी जिला कलेक्टर से शिकायत की जांच कर रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा था।

प्रधान के इस आरोप पर बीडीओ कृष्णा माहेश्वरी ने कहा कि मेरी आज तक प्रधान से ऐसी कोई बात नहीं हुई, जिसमें मैंने इस तरह की बात उनसे कही हो। मेरे बारे में पंचायत में सब जानते हैं। यही कारण है कि आज कई लोग मेरे समर्थन में जयपुर में सरकार को ज्ञापन देने पहुंचे।

कलेक्टर ने सीईओ को जांच के दिए निर्देश

इस घटनाक्रम के बाद बीडीओ के समर्थन में जयपुर जिले के दूसरी पंचायतों में लगे बीडीओ भी उतर गए। आमेर, विराटनगर, सांभर, किशनगढ़-रेनवाल, बस्सी, कोथून, तूंगा, आंधी, जालूस, झोटवाड़ा, जमवारामगढ़, दूदू समेत अन्य पंचायतों में नियुक्त बीडीओ ने कलेक्टर को एक पत्र लिखकर इस मामले चाकसू प्रधान के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है। इसके बाद कलेक्टर राजन विशाल ने इस मामले की जांच के लिए जिला परिषद सीईओ को निर्देश दिए है।

आमागढ़ में शुरू हुई लेपर्ड सफारी

20 से ज्यादा लेपर्ड का डेरा, झालाना और नाहरगढ़ सफारी के बाद अब आमागढ़ लेपर्ड सफारी की शुरुआत

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। जयपुर वाइल्डलाइफ टूरिस्ट स्पॉट के रूप में भी विकसित हो रहा है। झालाना और नाहरगढ़ सफारी के बाद अब आमागढ़ लेपर्ड सफारी की शुरुआत हो गई है। जहां फिलहाल 20 से ज्यादा लेपर्ड रहते हैं। वहीं, झालाना, नाहरगढ़ को मिलाकर कुल 75 लेपर्ड जयपुर के आसपास रहते हैं। जगह इंटरनेशनल बायोलॉजिकल बायोडायवर्सिटी डे के मौके पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत वर्चुअल आमागढ़ सफारी का शिलान्यास किया। इस दौरान वन मंत्री हेमाराम चौधरी के मुख्य सचिव उषा शर्मा और वन विभाग के आला अधिकारी मौजूद रहे।

3 लेपर्ड सफारी शुभ संकेत: मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राजस्थान वाइल्डलाइफ के क्षेत्र में भारत की दुनिया में पहचान बन गया है। यहां पर टाइगर सफारी के साथ ही 3 लेपर्ड सफारी शुरू हो गई है। जिसमें 2 सफारी सिर्फ जयपुर में है। जो हम सबके लिए शुभ संकेत है। उन्होंने कहा कि हमें वन्यजीवों को संरक्षक और सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी भी उठानी होगी। जयपुर में लेपर्ड सफारी खुलने से न सिर्फ वाइल्डलाइफ पर इसका सकारात्मक असर होगा। बल्कि इससे पर्यटन और टूरिस्ट पर भी बड़ा असर होगा। हर साल राजस्थान के पर्यटक स्थलों को देखने के साथ अब लोग राजस्थान की सफारी देखने भी आएंगे। जिसका सीधा फायदा प्रदेश की जनता को होगा।

10 करोड़ का क्रिकेट सट्टा पकड़ा, सट्टा किंग समेत पांच गिरफ्तार

3.10 लाख नगद, 30 मोबाइल, तीन लग्जरी गाड़ियां, तीन लैपटॉप, चार एलईडी इत्यादि बरामद

अलवर। थाना एनईबी एवं क्यूआरटी टीम ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई कर दिल्ली के एक फ्लैट में आईपीएल मैच पर सट्टा लगाते चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। साथ ही उनके अलवर में कलेक्शन एजेंट को भी गिरफ्तार किया है। दिल्ली के द्वारका स्थित आरोपियों के फ्लैट से पुलिस टीम ने 10.08 करोड़ के हिसाब किताब लिखे 12 रजिस्टर, 3.10 लाख रुपए नगद, तीन लग्जरी गाड़ियां, 30 मोबाइल, चार एलईडी टीवी, तीन लैपटॉप, एक वाईफाई राउटर, एक टाटा स्काई डिश इत्यादि बरामद किए हैं। अलवर एसपी तेजस्वनी गौतम ने बताया कि शनिवार को एक परिवादी ने थाना एनईबी में एक रिपोर्ट दी। जिसमें बताया कि उसने हितेश नाम के व्यक्ति को आईपीएल क्रिकेट मैच पर सट्टा लगाने के लिए 10000 रुपये नगद दिए थे। हितेश के द्वारा दिए गए मोबाइल नंबर स्विच ऑफ आ रहा है। रिपोर्ट पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया गया। जांच में तकनीकी साधनों से मिले इनपुट एवं मुखबिर से मिली सूचना से दिल्ली के द्वारका क्षेत्र में स्थित फ्लैट में सट्टेबाजी करना पाया गया। इस सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरिता सिंह व सीओ उत्तर शहर आदित्य पूनिया के सुपरविजन एवं थानाधिकारी राजेश कुमार वर्मा के नेतृत्व में क्यूआरटी व थाना एनईबी से एक विशेष टीम गठित कर दिल्ली के द्वारका क्षेत्र में सेक्टर 19 के फ्लैट नंबर 76 अमराही गांव में छापा मारा गया। जहां टीम को एक आरोपी चक्षु गर्ग मिला। जिससे पूछताछ के बाद अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया। दिल्ली के द्वारका क्षेत्र के फ्लैट में रह रहे आरोपी देवेश भारद्वाज पुत्र रामचरण (36) निवासी केशव नगर थाना कोतवाली अलवर, चक्षु गर्ग पुत्र प्रदीप कुमार (35) निवासी रामनगर थाना एनईबी, विक्रांत खंडेलवाल पुत्र जितेंद्र मोहन (46) निवासी हकीम जी की गली थाना कोतवाली अलवर एवं रोहित यादव पुत्र संजीव यादव (32) निवासी वजीरपुर थाना अशोक विहार दिल्ली को मुंबई इंडियन एवं दिल्ली कैपिटल के मैच पर सट्टा लगाते गिरफ्तार किया गया।

गहलोत सरकार पर भेदभाव का आरोप

मनरेगा और शहरी रोजगार योजना में काम करने वाले संविदा कर्मचारियों के वेतन में 5 गुना तक अंतर

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मनरेगा की तर्ज मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना शुरू की है। इस योजना के क्रियान्वयन के लिए सरकार ने मनरेगा की तर्ज पर संविदा पर विभिन्न पदों पर भर्ती का एलान किया है। इसमें कनिष्ठ तकनीकी सहायक, लेखा सहायक, एमआईएस मैनेजर, डाटा एंट्री ऑपरेटर, सहायक कर्मचारी शामिल है। लेकिन इन दोनों योजनाओं में इन कर्मचारियों के वेतनमान में 8 गुना का अंतर है।

महात्मा गांधी नरेगा कार्मिक संघ राजस्थान से जुड़े पदाधिकारियों ने बताया कि साल 2008 में शुरू हुई मनरेगा में इन सभी कर्मचारियों को 8 हजार रुपए मानदेय दिया जाता है, जो 2008 से अब तक यही मिल रहा है। सरकार ने इसमें कोई बढ़ोतरी नहीं की है। वहीं शहरों में शुरू की जाने वाली इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना में विभिन्न नगर परिषद और नगर पालिका और नगर निगम एरिया में काम करने वाले वरिष्ठ तकनीकी सहायक को 40 हजार, कनिष्ठ तकनीकी सहायक को 30 हजार, लेखा सहायक और एमआईएस मैनेजर को 25 हजार रुपए मासिक मानदेय दिया देने का एलान किया है।

जबकि दोनों योजनाएं समान है, तो दोनों योजनाओं में काम करने वाले कर्मचारियों की सैलेनी में दिन-रात का अंतर क्यों? संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि साल 2008 से 2022 तक न कोई सैलेरी बढ़ी और न ही कोई अलाउंस दिया, जबकि सरकारी कर्मचारियों के डीए में करीब 34 फीसदी तक का इजाफा किया गया है और अगले महीने जुलाई में फिर से करीब 4 फीसदी डीए बढ़ेगा।

नियमित करने और मानदेय बढ़ाने के लिए पिछले डेढ़ माह से आंदोलन

मनरेगा संघ के कर्मचारी अपना मानदेय बढ़ाने और नियमित करने की मांग को लेकर पिछले डेढ़ महीने से आंदोलन कर रहे है। पिछले दिनों उन्होंने जयपुर के शहीद स्मारक पर भी बड़ा आंदोलन करके सरकार से अपनी घोषणा को पूरा करने की मांग की थी। इसमें गहलोत सरकार ने अपने बजट घोषणा में शैक्षणिक योग्यता और बोनस के आधार पर भर्ती करते हुए सरकारी कर्मचारी की तरह नियमित किया जाएगा।

वैट घटाने का साहस जुटाएं: गहलोत

केन्द्र ने पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटाई, अब गहलोत सरकार दे राहत

हिलव्यू समाचार

जयपुर। बीजेपी नेताओं ने अब गहलोत सरकार से मांग की है कि वह भी वैट घटाकर पेट्रोलियम के दाम कम करे। केन्द्र सरकार की ओर से पेट्रोल-डीजल पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी घटाने से राजस्थान में पेट्रोल 9.55 रुपए और डीजल 7.20 रुपए लीटर सस्ता हुआ है।

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने कहा है कि नरेंद्र मोदी सरकार ने डीजल, पेट्रोल और गैस सिलेंडर के दामों में भारी कमी कर जनता को फिर बड़ी राहत दी है। अब राज्य की कांग्रेस सरकार वैट कम कर जनता को राहत दे। उन्होंने कहा ऐतिहासिक फैसले में मोदी सरकार ने पेट्रोल पर 8 और डीजल पर 6 रुपए एक्साइज ड्यूटी कम की है। पिछले साल नवंबर में भी मोदी सरकार ने पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी में 5 और डीजल पर 10 रुपए की कटौती कर बड़ी राहत दी थी। कांग्रेस सरकार की ओर से वैट में कटौती नहीं करने के कारण देश में सबसे महंगा डीजल-पेट्रोल राजस्थान में मिल रहा है। ऐसे में मुख्यमंत्री गहलोत को राज्य की जनता के हित में गंभीरता से

विचार कर डीजल-पेट्रोल पर वैट में कमी कर राहत देनी चाहिए। केंद्र के खिलाफ झूठी और बिना फैक्ट की बयानबाजी बंद करनी चाहिए।

केन्द्र ने 2 बार घटाई एक्साइज ड्यूटी, अब गहलोत दें राहत: राजे: वसुंधरा राजे ने ट्वीट कर कहा पेट्रोल-डीजल के दामों को लेकर राजस्थान की कांग्रेस सरकार केन्द्र को कोसती रही है। जबकि केन्द्र सरकार ने दो बार एक्साइज ड्यूटी कम कर दी है। अब राज्य सरकार को भी पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क घटाकर जनता को राहत देनी चाहिए। राजे ने कहा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क घटाने से अब देश में पेट्रोल 9.5 रुपए और डीजल 7 रुपए प्रति लीटर सस्ता मिलेगा। वहीं उज्ज्वला योजना में 12 सिलेंडर तक 200 रुपए प्रति गैस सिलेंडर सब्सिडी देने का निर्णय भी मोदी सरकार ने लिया है, जिससे 9 करोड़ माताओं-बहनों को बड़ी मदद मिलेगी।

राज्य सरकारों की बारी: विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटाकर और घरेलू गैस के सिलेंडर पर सब्सिडी देकर मोदी सरकार ने किसान, व्यापारी, मिडिल क्लास और गरीबों को राहत दी है। उन्होंने कहा अपने जन घोषणा पत्र में पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने, पिछली बीजेपी सरकार के समय पेट्रोल पर 26 और डीजल पर 18 फीसदी वैट घटाने और महंगाई को लेकर गांधी प्रतिमा के सामने आए दिन आंदोलन के नाम पर नौटंकी करने वाली गहलोत सरकार को अगर वास्तव में जनता से वास्ता है, तो उसे पेट्रोल-डीजल पर वैट में तुरंत कमी करके जनता को राहत देनी चाहिए। राठौड़ ने कहा कि गहलोत ने राज्य में 5 जुलाई 2019 से लेकर अब तक 4 बार अलग-अलग समय पर जो आदेश जारी कर पेट्रोल पर 12 फीसदी और डीजल पर 10 फीसदी वैट बढ़ाया है, उसे कम करने का साहस जुटाएं। ताकि महंगाई से त्रस्त जनता को राहत मिले। केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने ट्वीट कर कहा है कि दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं को इस समय संकट का सामना करना पड़ रहा है। इसके कोविड समेत कई कारण हैं। प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में बहुत बड़ी कटौती की है। अब राज्य सरकारों की बारी है कि वे भी अपनी ओर से जनता को राहत दें। जनता जनार्दन को बधाई। मोदी जी और वित्त मंत्री निर्मलासीतारमण का आभार है।

नेता प्रतिपक्ष गुलाबचन्द कटारिया ने कहा है कि मैं राजस्थान के मुख्यमंत्री को विशेष निवेदन करता हूँ कि वह भी इसके लिए केंद्र सरकार को धन्यवाद दें और पेट्रोल-डीजल की कीमत पर टैक्स कटौती कर राज्य की जनता को राहत दें। कटारिया ने कहा राजस्थान में वैट घटाकर कम से कम इतनी रेट पर ले आएं कि पड़ोसी राज्यों के बराबर राजस्थान में पेट्रोलियम की कीमतें हो जाएं।

हेलिकॉप्टर बेचने के नाम पर 24 लाख की ठगी

जयपुर के व्यापारी से सवा 3 करोड़ में डील, मुंबई में लीज पर दिया

जयपुर। राजधानी के विद्याधर नगर थाना इलाके में एक एंटरप्रेन्योर के साथ हेलीकॉप्टर बेचने के नाम पर 24 लाख रुपए की ठगी हुई। इसे लेकर रॉयल स्काईटेक एविएशन प्राइवेट लिमिटेड के मालिक मुकेश सिंह शक्तावत ने एफआईआर दर्ज कराई। प्रकरण की जांच कर रही आईओ स्नेह लता ने बताया कि परिवादी कि वर्ष 2012 में इंद्रा एयर प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर तमिलनाडु निवासी राजेश शोकन्द से मुलाकात हुई थी। परिवादी ने राजेश से वर्ष 2013 में एक हेलीकॉप्टर लीज पर लिया था। वर्ष 2015 में राजेश ने परिवादी से संपर्क कर उसका हेलीकॉप्टर बेचने की इच्छा जाहिर की और परिवादी द्वारा हेलीकॉप्टर खरीदने में दिलचस्पी दिखाने पर राजेश ने जयपुर आकर परिवादी से मुलाकात की। राजेश ने हेलीकॉप्टर 3 करोड़ 25 लाख रुपए में बेचने का सौदा किया।

एडवांस लिए 27 लाख रुपए और कर डाली ठगी: हेलीकॉप्टर का सौदा तय होने के बाद राजेश वापस तमिलनाडु लौट गया।परिवादी से 27 लाख रुपए की राशि एडवांस अपनी कंपनी के खाते में जमा करवाया लिये। परिवादी द्वारा यह तमाम ट्रांजैक्शन राजेश की कंपनी में अकाउंटेबल मैनेजर रेशमा चौहान के माध्यम से किया गया। सौदे के अनुसार बाकी बची राशि हेलीकॉप्टर की डिलीवरी के वक्त देना तय हुआ था। राजेश द्वारा परिवादी से एडवांस राशि लेने के बाद हेलीकॉप्टर की डिलीवरी को लेकर अनेक बहाने बनाए गए और डिलीवरी को लगातार टालता रहा। परिवादी ने अपने स्तर पर जानकारी जुटाई तो पता चला कि राजेश ने उक्त हेलीकॉप्टर मुंबई की किसी फर्म को लीज पर दे दिया है। इस पर परिवादी ने राजेश से संपर्क कर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने को कहा तो राजेश ने ऐसा करने से परिवादी को रोका और साथ ही उसे उसकी राशि वापस लौटाने का आश्वासन दिया। इसके बाद राजेश ने अपनी कंपनी के खाते से परिवादी के खाते में 3 लाख रुपए की राशि लौटाई और शेष राशि जल्द ही लौटाने का आश्वासन दिया।

आरोपी ने फोन उठाना कर दिया बंद: दिसंबर 2021 में परिवादी ने जब फिर से राजेश से संपर्क करने का प्रयास किया तो उसने फोन उठाना बंद कर दिया। उसके बाद परिवादी ने राजेश की फर्म को कई लीगल नोटिस भिजवाए लेकिन किसी का भी जवाब राजेश की ओर से नहीं दिया गया। इस प्रकार से राजेश ने परिवादी के 24 लाख रुपए हड़प लिए। जिस पर परिवादी ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और कोर्ट के आदेश पर राजधानी के विद्याधर नगर थाने में बुधवार रात ठगी का मामला दर्ज किया गया।

मूसेवाला मर्डर के बाद लॉरेंस गैंग के 2 गुर्गे गिरफ्तार

हरियाणा से भागकर राजस्थान आए, अवैध हथियार भी बरामद

धौलपुर। धौलपुर पुलिस ने लॉरेंस गैंग के दो गुर्गों को गिरफ्तार किया है। दोनों बदमाशों पर हरियाणा पुलिस ने 15-15 हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। ये दोनों गुड़गांव के पटौदी इलाके के रहने वाले हैं। पुलिस को आरोपियों से 2 अवैध हथियार और 4 कारतूस मिले हैं। गुर्गे धौलपुर जिले में किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। फिलहाल दोनों आरोपियों से पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के मर्डर को लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है।

SP नारायण टोगस ने बताया कि दिहौली पुलिस ने संदीप जाट और दिनेश यादव को गुरुवार को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई मनियां सीओ दीपक खंडेलवाल के नेतृत्व में की गई। दोनों गुर्गे हरियाणा पुलिस से बचने के लिए धौलपुर के पूर्व डकैत रामदत्त ठाकुर के पास शरण लेने आए थे। सीओ दीपक खंडेलवाल ने बताया कि कॉन्स्टेबल पांचेराम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ढोंढ का पुरा गांव के जंगलों में हरियाणा के कुछ बदमाश आए हुए हैं।

सूचना के बाद थाना प्रभारी बीधाराम अंबेश के साथ एक टीम मौके पर रवाना की गई।

मैंने ही मूसेवाला को गोली मारी: सचिन

चंडीगढ़। मशहूर पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला का मर्डर लॉरेंस गैंग ने ही किया है। गैंगस्टर लॉरेंस के भांजे सचिन बिश्नोई ने दावा किया है कि यह कत्ल उसने किया है। उसने कहा, 'मैंने खुद सिद्धू मूसेवाला को गोलियां मारीं।' खुद को सचिन बिश्नोई बताने वाले शख्स ने एक टीवी चैनल से वर्चुअल ID के जरिए बातचीत में यह दावा किया। उसने कहा कि हमने मोहाली में विक्की मिड्डूखेड़ा के कत्ल का बदला लिया है। पहले उसने खुद को सचिन थापन बताया। जब पत्रकार ने उससे पूछा कि वह सचिन बिश्नोई बोल रहा है तो उसने हां कहा। उसने कहा कि गैंगस्टर मेरे आदर्श और मामा हैं। हालांकि हत्या का दावा करने वाला असली सचिन बिश्नोई ही है, इसकी पुष्टि नहीं की जा सकती।

'मोबाइल छोड़ बच्चों ने पिंकसिटी प्रेस क्लब बाल अभिरूचि शिविर में दिखाई रुचि'

हिलव्यू समाचार

जयपुर। पिंकसिटी प्रेस क्लब लि. जयपुर की ओर से आयोजित 10 दिवसीय बाल अभिरूचि शिविर में शिक्षाविद् एवं वरिष्ठ पत्रकार एल.सी. भारतीय एवं अग्निशमन सहायक अधिकार शुभम शर्मा ने अवलोकन कर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। क्लब मुकेश मीणा अध्यक्ष एवं महासचिव रघुवीर जांगिड़ ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

शिक्षाविद् एवं वरिष्ठ पत्रकार एल.सी.भारतीय ने कहा कि आज के वर्तमान समय में घरों में बच्चे पूरे दिन मोबाइल पर गेम खेलते है। प्रसन्ता की बात है, कि इस मशीनरी युग में बच्चे मोबाइल छोड़कर बाल अभिरूचि शिविर में पूर्ण मनोयोग निर्भिक होकर मार्शल आर्ट, कला, पेंटिंग, योग, डांस सहित अनेक विधाओं का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है। आपने बच्चों को प्रेस क्लब मंच से आगे बढ़ाने का सराहनीय कदम उठाया है।

उन्होंने कहा कि प्रेस क्लब का मतलब मनोरंजन है पत्रकारों को जोडकर पारिवारिक गतिविधियों को संचालित करना वास्तव में अनूठा कदम है। ऐसे आयोजनों का निरंतर होना आवश्यक है। क्योंकि पत्रकार एवं मशीनरी एक जैसे है पत्रकारों को मशीन की तरह अपने क्षेत्र में काम करना पड़ता है। पत्रकारों के परिजनों को आकाश दीप शिक्षा संस्थान में हमेशा सहयोग दिया जाएगा।

क्लब अध्यक्ष मुकेश मीणा ने बताया पिंक सिटी प्रेस क्लब में हर साल समर कैंप का आयोजन किया जाता है और इस आयोजन का मूल उद्देश्य पत्रकारों व उनके परिवारों के मध्य सौहार्द,प्रेम आपसी सामाजिक संबंध स्थापित करना है। साथ ही इसके अतिरिक्त ग्रीष्मकालीन अवकाश में बच्चों को विभिन्न गतिविधियों व कार्य शालाओं के माध्यम से प्रशिक्षित करना भी है। इस समर कैंप में योग, मार्शल आर्ट, पेंटिंग, डांस, संगीत, सेल्फ डिफेंस,साइबर क्राइम जैसे

अग्निशमन टीम ने बच्चों को आग पर काबू पाने एवं श्वसन क्रिया से व्यक्ति की जान बचाने के गुर सिखाएं

विषय को समझने और अवेयर रहने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

क्लब महासचिव रघुवीर जांगिड़ ने बताया कि कार्यकारिणी सदस्य अनिता शर्मा के संयोजन में आयोजित शिविर में सुबह 7 बजे से ही बच्चे योग, डांस, मार्शल आर्ट, संगीत, ड्राईंग, कथक, राजस्थानी लोकनृत्य आदि विधाओं का प्रशिक्षित अध्यापक से ट्रेनिंग ले रहे है। बच्चों के साथ अभिभावकों का योग शिविर में भी खासा उत्साह नजर आ रहा है। योगा में प्रशिक्षणार्थी विभिन्न स्वरों के उच्चारण से मन को प्रसन्न कर रहे है।

इस अवसर पर कार्यकारिणी सदस्य एवं हरी सिंह चौहान, जितेन्द्र प्रधान, दिनेश जोशी, विमल सिंह तंवर, ईश्वर बैरागी, सुनील शर्मा, दिनेश शर्मा, अनिल सेन, सुरेन्द्र सिंह नाथावत, राजेन्द्र राव, राजेन्द्र शर्मा 'राजू चाचा', सहित पत्रकारगण एवं अभिभावकगण उपस्थित रहे।

दरगाह के दावों को लेकर पहली बार विरोध शुरू

महाराष्ट्र से आए लोग, महाराणा प्रताप सेना के अध्यक्ष पर कार्रवाई की मांग

हिलव्यू समाचार

अजमेर। अजमेर दरगाह को लेकर किए गए दावे को लेकर महाराणा प्रताप सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष व अन्य लोगों के खिलाफ पहली बार विरोध शुरू हो गया है। हजरत ख्वाजा गरीब नवाज वेलफेयर एसोसिएशन महाराष्ट्र ने भी ऐतराज जताया है। एसोसिएशन के सचिव मोहम्मद यूसूफ उमर अंसारी ने प्रतिनिधि मंडल के साथ अजमेर पहुंचकर SP को परिवाद दिया है। साथ ही एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। एफआईआर दर्ज नहीं होने तक अजमेर से नहीं जाने की चेतावनी दी है। हजरत ख्वाजा गरीब नवाज वेलफेयर एसोसिएशन महाराष्ट्र की ओर से अजमेर स्क को दिए गए परिवाद में बताया कि अजमेर शरीफ ख्वाजा गरीब नवाब दरगाह के बारे में महाराणा प्रताप सेना की तरफ से विवादित बात बोलकर राजस्थान के हिन्दू मुस्लिम समाज का माहौल खराब करने व हिन्दुस्तान की एकता और अखंडता को तोड़ने की कोशिश की जा रही है। कमेटी मांग करती है कि महाराणा प्रताप सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजवर्धन सिंह और अन्य कार्यकर्ता के खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तार किया जाए। कठोर कानूनी कार्यवाही की जाए। जब तक उन पर एफआईआर नहीं होगी, तब तक वे अजमेर से नहीं जाएंगे।

यह किए गए दावे...

महाराणा प्रताप सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजवर्धन सिंह परमार ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को भेजे पत्र में बताया था कि अजमेर में स्थित हजरत ख्वाजा गरीब नवाज दरगाह हमारा प्राचीन हिंदू मंदिर है। वहां की दीवारों व खिड़कियों में स्वास्तिक व अन्य हिंदू धर्म से संबंधित चिह्न मिले हैं। महाराणा प्रताप सेना की मांग है कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग यहां भी सर्वे करे।

महाराणा प्रताप सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजवर्धन सिंह परमार ने ने 1170 ईस्वी का नक्शा दिखाते हुए दरगाह में शिव मंदिर होने का दावा किया। साथ ही अढाई दिन के झोपड़े की जगह संस्कृत विद्यालय व विष्णु मंदिर होने की बात कही। उन्होंने यह भी कहा कि अब उनको देश के विभिन्न हिस्सों सहित विदेशों से धमकियां मिल रही हैं। वो इनसे डरने वाले नहीं है।

तीसरी स्टेज में भी संभव है जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी

एवैस्कुलर नेक्रोसिस से घबराएं नहीं... रिप्लेसमेंट सर्जरी से मिल सकती है निजात

हड्डियों की खतरनाक बीमारी है एवेस्कुलर नेक्रोसिस

हिलव्यू समाचार

जयपुर। हमारे शरीर की गतिविधि को सामान्य बनाए रखने के जोड़ काम आते हैं। शरीर में कूल्हे के जोड़ हमारे चलने से लेकर उठने-बैठने जैसी हर गतिविधि में काम आते हैं। चोट लग जाने से इसको नुकसान हो सकता है लेकिन एवैस्कुलर नेक्रोसिस बीमारी होने पर मरीज का उठना-बैठना भी दूभर हो जाता है। यह हड्डियों काफी गंभीर बीमारी है लेकिन अब चिकित्स विज्ञान में आई नई तकनीकों के चलते इस गंभीर समस्या से निजात पाई जा सकती है।

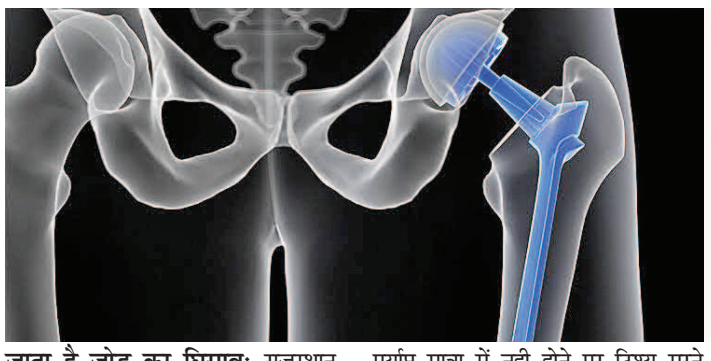

हड्डी के टिश्यू मरने से शुरू हो जाता है जोड़ का घिसाव: राजस्थान हॉस्पिटल के सीनियर ऑर्थोस्कोपी एंड जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. एसएस सोनी ने बताया कि एवेस्कुलर नेक्रोसिस (एवीएन) एक प्रकार का कष्टदायक विकार है जो धीरे-धीरे बढ़ता जाता है। इस बीमारी मे हड्डी के टिश्यू तक रक्त संचार पर्याप्त मात्रा में नही होने पर टिश्यू मरने लगते हैं। टिश्यू के खत्म होने के कारण हड्डियां पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। हड्डी के घिसने या जोड़ के अलग हो जाने पर उस हिस्से में रक्त की आपूर्ति होना बंद हो जाती है। इस विकार में कूल्हे का फीमोरल हेड का भाग आम तौर पर प्रभावित होता है। अगर समय रहते इलाज नहीं कराया गया तो यह समस्या भविष्य में कूल्हे के आर्थराइटिस में तब्दील हो सकती है।

नई तकनीकों के बेहतर इलाज संभव : यदि कूल्हे की हड्डी की बॉल क्षतिग्रस्त हो जाती है तो हिप रिप्लेसमेंट आखिरी विकल्प होता है। रिप्लेसमेंट सर्जरी ने न केवल मरीज का दर्द दूर होता है बल्कि वह पहले की तरह चलने की स्थिति में आ जाता है। डॉ. सोनी ने बताया कि एवैस्कुलर नेक्रोसिस किस स्टेज में है उस हिसाब से इसका इलाज होता है। शुरूआती स्टेज में सिर्फ दवाओं से फायदा हो सकता है लेकिन बाद में सर्जरी की जरूरत पड़ती है। सबसे कॉमन सर्जरी हिप जॉइंट रिप्लेसमेंट होती है क्योंकि लगभग 50-60 पर्सेंट केस में एवैस्कुलर नेक्रोसिस हिप बॉल को ही इफेक्ट करती है। अब नई तकनीकों के जरिए सटीक अलायमेंट के साथ जॉइंट रिप्लेसमेंट किया जा सकता है। सर्जरी के बाद मरीज का चलना-फिरना चालू हो सकता है और उसके जीवन की गुणवत्ता में सुधार आ सकता है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक **शालिनी श्रीवास्तव के लिए** अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव, सह-संपादक: हरीश श्रीवास्तव (छबड़ा बारां) मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) **hillviewsamachar@gmail.com**